सब का सपना

निष्पक्ष व निडर-हिंदी दैनिक समाचार पत्र

भतीजे इब्राहिम अली खान को सोहा ने दी जरूरी सलाहः- पेज 8

अक्षर पटेल को सीजन की पहली हार के बाद मिली सजा :- पेज 8

वर्ष : 01 | अंक: 13 | मंगलवार- 15 अप्रैल 2025 | अमरोहा (उत्तर प्रदेश) | www.sabkasapna.com | पृष्ठ : 08 | मूल्यः 4 रुपए

आंबेडकर के शत्रु हैं भाजपा-आरएसएस, चुनाव हराने में सावरकर की भूमिका थीः खरगे

नयी दिल्ली (भाषा) कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे ने सोमवार को आरोप लगाया कि मोदी सरकार बाबासाहेब भीमराव आंबेडकर का सिर्फ नाम लेती है जबकि भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) तथा राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) के लोग आंबेडकर के शत्रु हैं। उन्होंने प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी द्वारा कांग्रेस पर आंबेडकर का अपमान करने का आरोप लगाए जाने को लेकर पलटवार करते हुए कहा कि बाबासाहेब को चुनाव में हराने के लिए भाजपा के वैचारिक पूर्वज जिम्मेदार थे।

खरगे ने संवाददाताओं से बातचीत में भाजपा और आरएसएस का हवाला देते हुए आरोप लगाया कि ये लोग बाबासाहेब के शत्रु हैं। उन्होंने दावा किया कि जिन लोगों ने संविधान की प्रति जलाई, उनके चेले आज सत्ता में बैठे हैं। कांग्रेस अध्यक्ष ने कहा, भाजपा कहती है कि कांग्रेस ने बाबा साहेब आंबेडकर जी का अपमान किया है। जबकि सच्चाई यह है कि कांग्रेस पार्टी ने बाबा साहेब को संविधान सभा का सदस्य बनाया, मसौदा समिति का प्रमुख बनाया। उन्होंने आंबेडकर के एक पत्र की प्रति दिखाते हुए कहा, बाबासाहेब ने अपने एक मित्र को 18 जनवरी, 1952 में लिखे पत्र में खुद बताया था कि उन्हें हराने में एस.ए.

डांगे (कम्युनिस्ट नेता) और विनायक सावरकर (हिंदू महासभा) का हाथ था। ये दोनों चाहते थे कि बाबासाहेब हार जाएं और यही उनकी मंशा थी। कांग्रेस अध्यक्ष ने कहा कि भाजपा जनता को गुमराह न करे, क्योंकि सच्चाई सभी को पता है। उन्होंने दावा किया, हमने पहले संसद में बाबासाहेब की प्रतिमा पर पुष्पांजलि अर्पित की, उसके बाद हमें संसद के सेंट्रल हॉल में बाबा साहेब को पुष्पांजलि देनी थी। इसका समय प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के हिसाब से बदला भी गया, लेकिन प्रधानमंत्री फिर भी बाबा साहेब को श्रद्धांजलि देने सेंट्रल हॉल नहीं पहुंचे। हरियाणा के हिसार में महाराजा अग्रसेन हवाई अड्डे से अयोध्या के लिए पहली वाणिज्यिक उड़ान को हरी झंडी दिखाने और हवाई अड्डे पर एक नए टर्मिनल भवन की आधारशिला रखने के बाद एक जनसभा को संबोधित करते हुए उन्होंने आरोप लगाया कि कांग्रेस आंबेडकर द्वारा बनाए गए संविधान को नष्ट करने वाली बन गई है। खरगे ने संवाददाताओं से बातचीत में सामाजिक न्याय से संबंधित उन पांच बिंदुओं का उल्लेख किया जो बीते नौ अप्रैल को आयोजित कांग्रेस के अहमदाबाद अधिवेशन के प्रस्ताव में शामिल किए गए थे।

संक्षिप्त समाचार

हजारों सिख श्रद्धालु बैसाखी पर्व मनाने पाकिस्तान पहुंचे

ननकाना साहिब (भाषा) हजारों सिख श्रद्धालु सोमवार को बैसाखी पर्व मनाने पाकिस्तान पहुंचे। यह पर्व फसल कटाई के उत्सव के साथ-साथ सिख नववर्ष की शुरूआत का प्रतीक है और मुख्य रूप से पंजाब तथा उत्तर भारत में मनाया जाता है। पाकिस्तानी अधिकारियों ने इस वर्ष भारत के 6,500 से अधिक सिख श्रद्धालुओं को वीजा जारी किया है। पिछले वर्षों की तुलना में यह संख्या अधिक है। आमतौर पर दोनों देशों के बीच यात्रा के लिए वीजा प्राप्त करना कठिन होता है, लेकिन सरकारों ने विशेष इंतजाम कर रखे हैं जिसके तहत श्रद्धालुओं को धार्मिक स्थलों के दर्शन के लिए वीजा प्रदान किए जाते हैं। मुख्य बैसाखी समारोह ननकाना साहिब में आयोजित किया गया। यह स्थल सिख धर्म के संस्थापक गुरु नानक देव जी का जन्मस्थान है

लोगों को समय पर न्याय मिले, सरकार यह सुनिश्चित करने पर काम कर रही हैः शाह

नयी दिल्ली (भाषा) केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह ने सोमवार को कहा कि सरकार यह सुनिश्चित करने के

लिए भी काम कर रही है कि लोगों को समय पर और उनकी संतुष्टि के अनुसार न्याय मिले। शाह ने साथ ही इस बात पर प्रकाश डाला कि मोदी सरकार ने फोरेंसिक विज्ञान को आपराधिक न्याय प्रणाली का हिस्सा बना दिया है। उन्होंने अखिल भारतीय फोरेंसिक विज्ञान शिखर सम्मेलन 2025 में कहा कि अपराधियों द्वारा अक्सर राज्यों और देशों की सीमाओं को लांघने के कारण फोरेंसिक विज्ञान का महत्व कई गुना बढ़ गया है। उन्होंने कहा, प्रधानमंत्री मोदी के नेतृत्व में सरकार आपराधिक न्याय प्रणाली को जन-केंद्रित और वैज्ञानिक बनाने का प्रयास कर रही है। इसके साथ ही सरकार यह सुनिश्चित करने के लिए काम कर रही है कि न्याय मांगने वाले व्यक्ति को समय पर न्याय मिले और उसे न्याय मिलने की संतुष्टि भी मिले। गृहमंत्री शाह ने कहा कि देश की आपराधिक न्याय प्रणाली को मजबूत करने के लिए फोरेंसिक विज्ञान बहुत उपयोगी है। उन्होंने कहा, ह्यह्यप्रधानमंत्री मोदी की दृष्टि ने इस देश की आपराधिक न्याय प्रणाली के परिदृश्य को बदलने का काम किया है। हमने फोरेंसिक विज्ञान को आपराधिक न्याय प्रणाली का हिस्सा बनाया है ताकि न्याय मिले और दोषियों को सजा मिले।

आज उप्र बीमारू राज्यों की कतार में नहीं खड़ा हैः योगी आदित्यनाथ

लखनऊ (भाषा) उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने सोमवार को कहा कि आज उत्तर प्रदेश बीमारू राज्यों की कतार में नहीं खड़ा है, बल्कि यह भारत के विकास इंजन के रूप में उभरा है।

यहां फिक्की की राष्ट्रीय कार्यकारी समिति की बैठक को संबोधित करते हुए आदित्यनाथ ने कहा,ह्यजब हम उत्तर प्रदेश की बात करते हैं, तो भारत में सबसे अधिक आबादी वाला उत्तर प्रदेश जैसा राज्य फिसड्डी कैसे हो गया? यह कैसे बीमारू हो गया? इसके पीछे कारण होंगे। जब देश आजाद हुआ, तब उत्तर प्रदेश की प्रति व्यक्ति आय राष्ट्रीय औसत के बराबर थी। लेकिन, धीरे-धीरे यह कम होती गई और एक समय ऐसा आया जब उत्तर प्रदेश की प्रति व्यक्ति आय राष्ट्रीय औसत का एक तिहाई हो गई। हालांकि, पिछले आठ वर्षों में देश के साथ-साथ दुनिया ने उत्तर प्रदेश को बदलते हुए देखा है।

उन्होंने कहा कि नीति निर्माण में फिक्की जैसे संगठनों का सहयोग इस बदलाव का एक प्रमुख कारण रहा है।

मुख्यमंत्री ने फिक्की को उत्तर प्रदेश के विकास में एक महत्वपूर्ण साझेदार बताते हुए कहा कि इस संगठन ने निवेशकों के लिए सकारात्मक माहौल और ईकोसिस्टम बनाने में सरकार का साथ दिया है। उनका कहा था कि विशेष रूप से, निवेशक सम्मेलन 2018 और 2023 को सफल बनाने में फिक्की का योगदान सराहनीय रहा है।

आदित्यनाथ ने कहा कि जो उत्तर प्रदेश कभी अपने कर्मचारियों को वेतन देने की भी स्थिति में नहीं था, आज वह राजस्व अधिशेष राज्य बन चुका है।

उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के मार्गदर्शन और उनकी प्रेरणा से उत्तर प्रदेश ने जो कदम आगे बढ़ाए हैं, उसके आप सभी साक्षी हैं।

आदित्यनाथ ने कहा, आज उत्तर प्रदेश बीमारू राज्यों की कतार में नहीं खड़ा है, बल्कि राज्यों की पहली पंक्ति में खड़ा होकर तीव्र गति से विकास की ओर अग्रसर है। यह एक ऐसा राज्य बन गया है, जिसने विकसित राज्य बनने की दिशा में एक कदम आगे बढ़ाया है। आज उत्तर प्रदेश भारत के विकास

इंजन के रूप में उभरा है। अब यह बीमारू राज्य नहीं रहा, यह देश की नंबर दो अर्थव्यवस्था के रूप में आगे बढ़ रहा है। उन्होंने कहा कि राज्य ने अपने सकल घरेलू उत्पाद (जीएसडीपी) और प्रति व्यक्ति आय को दोगुना करने में सफलता प्राप्त की है।

उन्होंने वित्तीय चुनौतियों का जिक्र करते हुए बताया कि 2017 में सरकार बनने के बाद किसानों की कर्ज माफी जैसे प्रस्तावों के लिए धन की कमी थी, उस समय बैंकों का सहयोग नहीं मिलता था और कर्मचारियों के वेतन के लिए भी संसाधन नहीं थे, लेकिन, सरकार ने बजट में 36 हजार करोड़ रुपये की रिसाव (लिकेज) को चिह्नित कर उसे समाप्त किया, जिससे आज उत्तर प्रदेश राजस्व अधिशेष वाला राज्य बन गया है। मुख्यमंत्री ने कहा कि पहले उत्तर प्रदेश में अराजकता, गुंडागर्दी और भ्रष्टाचार के कारण लोग अपनी पहचान छिपाने को मजबूर थे।

उन्होंने महाकुंभ के उदाहरण से समझाया कि 2017 से पहले कुंभ में गंदगी और अव्यवस्था थी, लेकिन इस बार स्वच्छता और सुव्यवस्था ने सबका ध्यान खींचा। उन्होंने दावा किया कि आज पूरे राज्य में कानून का शासन स्थापित है।

उन्होंने कहा कि प्रदेश में अनावश्यक लाउडस्पीकरों को हटाया गया, सड़कों पर धार्मिक आयोजन को नियंत्रित किया गया और बेटियों एवं व्यापारियों की सुरक्षा सुनिश्चित की गई।

उन्होंने कहा कि पुलिस भर्तियों में पारदर्शिता लाई गई और 60 हजार से अधिक पुलिसकर्मियों को प्रशिक्षण देकर नियुक्त किया गया।

मुख्यमंत्री ने उत्तर प्रदेश में बुनियादी ढांचा विकास पर जोर देते हुए कहा कि पहले राज्य की पहचान खराब सड़कों और अंधेरे से थी, लेकिन आज उत्तर प्रदेश के पास देश का सबसे बड़ा एक्सप्रेसवे नेटवर्क, मेट्रो रेल, रेल नेटवर्क और जलमार्ग है।

उनका कहना था कि राज्य में चार लाख किलोमीटर का राष्ट्रीय राजमार्ग नेटवर्क, 16 कार्यशील हवाई अड्डे (चार अंतरराष्ट्रीय और 12 घरेलू) हैं और एशिया का सबसे बड़ा जेवर हवाई अड्डा निमार्णाधीन है। इसके अलावा, लॉजिस्टिक हब और ड्राईपोर्ट जैसे कदमों ने उत्तर प्रदेश को निवेश के लिए आकर्षक बनाया है।

मुख्यमंत्री ने महाकुंभ के सफल आयोजन को उत्तर प्रदेश की क्षमता का प्रतीक बताया। उन्होंने कहा कि प्रयागराज में साढ़े सात हजार करोड़ रुपये खर्च कर अवसंरचना का कायाकल्प किया गया।

योगी आदित्यनाथ ने कहा कि महाकुंभ को लेकर विपक्षी सवाल उठाते थे, पूछते थे कि क्या महाकुंभ कराना सरकार का कार्य है, मगर आप सभी ने देखा होगा कि महाकुंभ केवल प्रयागराज तक सीमित नहीं था, बल्कि काशी, अयोध्या, मथुरा जैसे शहरों में भी श्रद्धालुओं की भीड़ उमड़ी।

कांग्रेस और सपा बाबासाहब की दुश्मन पार्टी हैंः केशव प्रसाद मौर्य

कौशांबी (उप्र) (भाषा) उत्तर प्रदेश के उपमुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य ने सोमवार को कहा कि कांग्रेस और समाजवादी पार्टी बाबा साहब भीमराव आंबेडकर की दुश्मन हैं। यहां दो विकास कार्यों का लोकार्पण करने आये मौर्य ने कहा, कांग्रेस ने बाबासाहब के सपनों को कुचलने का कार्य किया और उन्हें कई बार अपमानित किया है। यहां तक कि बाबासाहब को कांग्रेस सरकार से इस्तीफा तक देना पड़ा था। उपमुख्यमंत्री ने कहा, जहां सपा ने कन्नौज में बाबासाहब के नाम पर बने मेडिकल कॉलेज का नाम ही बदल दिया, वहीं, बसपा ने बाबासाहब के नाम पर बस वोट लिया और राज किया। जिनके (दलितों) लिए उसे कुछ करना था उनके लिए उसने कुछ नहीं किया। उन्होंने कहा कि भाजपा ही ऐसी पार्टी है जो बाबासाहब के पंचतीर्थो को बनाते हुए उनके संकल्पों को पूरा कर रही है।

कांग्रेस शासन में देश ने ब्लैकआउट देखा, अब बिजली का निर्यात हो रहा हैः प्रधानमंत्री

यमुनानगर (हरियाणा) (भाषा) प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने सोमवार को कहा कि 2014 से पहले जब कांग्रेस सत्ता में थी तो ब्लैकआउट (बिजली गुल होने) की स्थिति थी लेकिन पिछले एक दशक में भारत का विद्युत उत्पादन दोगुना हो गया है और अब यह बिजली का निर्यात कर रहा है।

मोदी ने यहां दीनबंधु छोटू राम ताप विद्युत संयंत्र में 800 मेगावाट की अत्याधुनिक ताप विद्युत इकाई की आधारशिला रखने के बाद एक जनसभा को संबोधित करते हुए कहा कि हरियाणा राज्य भाजपा की डबल इंजन सरकार की डबल स्पीड देख रहा है।

यह ताप विद्युत इकाई 233 एकड़ में फैली है और इसके लगभग 8,470 करोड़ रुपये की लागत से मार्च 2029 तक चालू होने की उम्मीद है। इससे हरियाणा की ऊर्जा आत्मनिर्भरता को काफी बढ़ावा मिलेगा और पूरे राज्य में निर्बाध बिजली आपूर्ति होगी।

गोबरधन (गैल्वेनाइजिंग आर्गेनिक बायो एग्रो रिसोर्सेज धन) के विजन को आगे बढ़ाते हुए मोदी ने यहां मुकरबपुर में एक संपीड़ित जैव गैस (सीबीजी) संयंत्र की

आधारशिला भी रखी।

इस संबंध में जारी एक बयान के अनुसार, संयंत्र का निर्माण कार्य 2027 तक पूरा होना है और इसकी वार्षिक उत्पादन क्षमता 2,600 मीट्रिक टन होगी। इससे स्वच्छ ऊर्जा उत्पादन और पर्यावरण संरक्षण में योगदान करते हुए प्रभावी जैविक अपशिष्ट प्रबंधन में मदद मिलेगी।

मोदी ने यहां से भारतमाला परियोजना के अंतर्गत लगभग 1,070 करोड़ रुपये की लागत वाली 14.4 किलोमीटर लंबी रेवाड़ी बाईपास परियोजना का भी डिजिटल उद्घाटन किया।

बाईपास से रेवाड़ी शहर में भीड़भाड़ कम होगी, दिल्ली-नारनौल यात्रा का समय एक घंटे कम होगा और क्षेत्र में आर्थिक गतिविधियों को बढ़ावा मिलेगा।

दिल्ली की मुख्यमंत्री ने संसद, विधानसभा में डॉ. भीमराव आंबेडकर को श्रद्धांजलि दी

नयी दिल्ली (भाषा) दिल्ली की मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने सोमवार को डॉ. भीमराव आंबेडकर को उनकी 134वीं जयंती पर श्रद्धांजलि अर्पित की। रेखा गुप्ता के अलावा भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के राष्ट्रीय

अध्यक्ष जे.पी. नड्डा समेत अन्य गणमान्य व्यक्तियों ने संसद भवन परिसर में प्रेरणा स्थल पर आंबेडकर की प्रतिमा पर पुष्पांजलि अर्पित की।

इससे पहले, दिन में मुख्यमंत्री ने अपने निर्वाचन क्षेत्र शालीमार बाग में आंबेडकर की स्मृति में आयोजित एक अन्य कार्यक्रम में भाग लिया।

बाद में उन्होंने दिल्ली विधानसभा के अध्यक्ष विजेंद्र गुप्ता और अन्य मंत्रियों के साथ विधानसभा परिसर में आंबेडकर की प्रतिमा पर श्रद्धांजलि अर्पित की। गुप्ता ने आंबेडकर को समानता, सामाजिक न्याय और मानवाधिकारों के अग्रदूत के रूप में याद किया।

बिहार में नीतीश के नेतृत्व में राजग अगली सरकार बनाएगीः सम्राट चौधरी

पटना (भाषा) बिहार के उपमुख्यमंत्री सम्राट चौधरी ने सोमवार को कहा कि राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (राजग) राज्य में जनता दल-यूनाइटेड (जद-यू) अध्यक्ष नीतीश कुमार के नेतृत्व में अगली सरकार बनाएगा।

भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) नेता सम्राट चौधरी ने एक समारोह के अवसर पर संवाददाताओं से बातचीत के दौरान कहा कि कुमार ने ह्यआंबेडकर समग्र सेवा अभियानह्न की शुरूआत की है।

इस अभियान का उद्देश्य यह सुनिश्चित करना है कि आदिवासियों और दलितों के लिए बनाई गई योजनाएं सभी लक्षित लाभार्थियों तक पहुंचे।

चौधरी ने कहा, बाबासाहब आंबेडकर की जयंती पर एक

अभियान शुरू करने के लिए मुख्यमंत्री नीतीश कुमार को बधाई। यह अभियान अनुसूचित जातियों और जनजातियों के प्रति उनकी गहरी चिंता को दर्शाता है।

उन्होंने कहा, अभियान के तहत अधिकारी उज्ज्वला योजना और प्रधानमंत्री आवास योजना समेत 22 योजनाओं के क्रियान्वयन का जायजा लेंगे।

व्यापार युद्ध कई देशों ने ट्रंप की अब विलंबित जवाबी शुल्क बढ़ोतरी के खिलाफ जवाबी कार्रवाई नहीं करने का विकल्प चुना, लेकिन बीजिंग ने एक अलग रास्ता अपनाया

अमेरिका से व्यापार युद्ध में चीन के पास ट्रंप की सोच से परे कहीं अधिक पत्ते हैं

ऑबर्न (अमेरिका) (द कन्वरसेशन) डोनाल्ड ट्रंप ने दुनियाभर के व्यापारिक साझेदारों पर भारी शुल्क (टैरिफ) लगाने की अपनी योजना को जब वापस लिया तो एक प्रमुख देश चीन इसका अपवाद था। बाकी दुनिया को सभी अमेरिकी व्यापार साझेदारों पर 10 फीसदी के नए शुल्क से परे अतिरिक्त शुल्कों पर 90 दिनों की राहत दी गई है, लेकिन चीन को और अधिक दबाव महसूस होगा।

ट्रंप ने नौ अप्रैल, 2025 को चीनी वस्तुओं पर शुल्क बढ़ाकर 125 फीसदी कर दिया। ट्रंप के अनुसार, यह कदम बीजिंग की ओर से वैश्विक बाजार के प्रति सम्मान के अभाव के कारण उठाया गया था। लेकिन अमेरिकी राष्ट्रपति शायद अमेरिकी शुल्क का सीधे सामना करने की बीजिंग की स्पष्ट इच्छा से परेशान थे।

कई देशों ने ट्रंप की अब विलंबित जवाबी शुल्क बढ़ोतरी के खिलाफ जवाबी कार्रवाई नहीं करने का विकल्प चुना, इसके बजाय बातचीत और संवाद का पक्ष लिया, लेकिन बीजिंग ने एक अलग रास्ता अपनाया।

चीन ने त्वरित और दृढ़ जवाबी उपायों के साथ पलटवार किया। चीन ने 11 अप्रैल को ट्रंप के कदमों को एक ह्यमजाकह्न बताकर खारिज कर दिया और अमेरिका के विरुद्ध अपना

शुल्क बढ़ाकर 125 फीसदी कर दिया।

दोनों अर्थव्यवस्थाएं अब एक चौतरफा, उच्च-तीव्रता वाले व्यापार गतिरोध में फंस गई हैं। और चीन पीछे हटने का कोई संकेत नहीं दे रहा है। अमेरिका-चीन संबंधों के विशेषज्ञ के रूप में, मैं चीन से ऐसा करने की उम्मीद नहीं करूंगा। ट्रंप के शुरूआती कार्यकाल के दौरान पहले अमेरिका-चीन व्यापार युद्ध के विपरीत, जब बीजिंग उत्सुकता से अमेरिका के साथ बातचीत करना चाहता था, वही चीन अब कहीं अधिक लाभप्रद स्थिति में है।

वास्तव में बीजिंग का मानना है कि वह अमेरिका को कम से कम उतना ही नुकसान पहुंचा सकता है जितना कि वह उसे पहुंचा सकता है। चीन को लगता है कि वह ऐसी स्थिति में अपनी वैश्विक स्थिति का विस्तार भी कर सकता है।

चीन के लिए बदला गया गणित

इसमें कोई संदेह नहीं है कि शुल्क लगाए जाने का चीन के नियातोंन्मुख निमार्ताओं पर गंभीर असर पड़ा है विशेष रूप से तटीय क्षेत्रों के निमार्ताओं पर जो अमेरिकी उपभोक्ताओं के लिए फर्नीचर, कपड़े, खिलौने और घरेलू उपकरण बनाते हैं। लेकिन ट्रंप की ओर से 2018 में पहली बार चीन पर शुल्क बढ़ा दिया गया। इसके बाद से कई अंतर्निहित आर्थिक कारकों ने बीजिंग के गणित को काफी हद तक बदल दिया।

अहम बात यह है कि चीन की निर्यात-संचालित अर्थव्यवस्था के लिए अमेरिकी बाजार का महत्व काफी कम हो गया है। वर्ष 2018 में पहले व्यापार युद्ध की शुरूआत में, अमेरिका को किये जाने वाले निर्यात का हिस्सा चीन के कुल निर्यात का 19.8 फीसदी था जो वर्ष 2023 में गिरकर 12.8 फीसदी रह गया।

संपादकीय

वीरान गांवों में वृद्धों की मदद को आयोग

केरल की गिनती देश के सबसे शिक्षित राज्यों में होती है। लेकिन आज 94 फीसदी साक्षरता वाले इस राज्य में बुजुर्ग शिक्षित युवाओं के पलायन का संत्रास झेल रहे हैं। राज्य के करीब 21 लाख घरों में युवाओं के पलायन करने के कारण सिर्फ बुजुर्ग बचे हैं। गांव के गांव पलायन का दंश झेलते हुए वीरान हो चुके हैं। लाखों घरों में सिर्फ ताले लटके नजर आते हैं। दरअसल, समुद्र तट से लगे इस राज्य में खाड़ी के देशों में जाकर सुनहरा भविष्य तलाशने की होड़ लगी रही है। शिक्षा ने जहां प्रगतिशील सोच दी है, वहीं अंतहीन भौतिक लिप्साओं को भी जगाया है। यह होड़ हाल के वर्षों में पंजाब-हरियाणा में भी नजर आ रही है। वैसे तो यह हमारे नीति-नियंताओं की नाकामी का भी परिणाम है कि हम युवाओं को उनकी योग्यता-आकांक्षाओं के अनुरूप रोजगार देश में नहीं दे पाए। उन्हें न अपनी जन्मभूमि का सम्मोहन रोकता है और न ही यह फिक्र कि उनके जाने के बाद बुजुर्ग माता-पिता का क्या होगा। एकाकीपन का त्रास झेलते केरल के इन गांवों में बुजुर्गों के पास पैसा तो है मगर समाधान नहीं है। सामाजिक सुरक्षा की वह छांव कहां, जिसमें बुजुर्ग खुद को सुरक्षित महसूस कर सकें। केरल के कई गांवों में लोग एक दिन हर बुजुर्ग का हाल पूछते हैं कि क्या वे सुरक्षित हैं। वे चर्च व पंचायतों में बैठकें करते हैं ताकि एक-दूसरे के हाल-चाल जान सकें। निश्चय ही ऐसे वैकल्पिक प्रयासों से सामाजिक सुरक्षा को संबल मिलेगा। बताते हैं कि मार्च माह के अंत में बुजुर्गों के इस एकाकीपन के संकट को महसूस करते हुए केरल सरकार ने एक वरिष्ठ नागरिक आयोग बनाने की घोषणा की है। यह वक्त बताएगा कि लाल-फीताशाही व घुन लगी व्यवस्था में ये आयोग कब तक कारगर भूमिका निभाना शुरू करेगा। लेकिन फिर भी जिस राज्य में हर पांचवें घर से एक व्यक्ति विदेश चला गया है, वहां ऐसा आयोग एक सीमा तक तो सहायक ही हो सकता है। देखना होगा कि सरकारी अधिकारी कितनी संवेदनशीलता से बुजुर्गों की समस्याओं का समाधान करते हैं। सरकार का दावा है कि यह आयोग एकाकीपन का त्रास झेल रहे बुजुर्गों के अधिकार, कल्याण और पुनर्वास के लिये काम करेगा। निस्संदेह, बुजुर्गों की आवश्यकताएं सीमित होती हैं। लेकिन उनका मनोबल बढ़ाने की जरूरत है। सबसे ज्यादा जरूरी उनकी स्वास्थ्य से जुड़ी समस्याएं दूर करना है। बेहतर चिकित्सा सेवा व घर-घर उपचार की सहज उपलब्धता समस्या का समाधान दे सकती है। लेकिन देखना यह होगा कि भ्रष्टाचार के घुन से खोखली होती व्यवस्था में वरिष्ठ नागरिक आयोग ऐसे संकट का कारगर समाधान उपलब्ध कराने में किस हद तक सफल हो पाता है। वैसे अकेले रह रहे बुजुर्गों को भी इस दिशा में पहल करनी होगी। सामाजिक सक्रियता इसमें सहायक बनेगी। नीति-नियंताओं को सोचना होगा कि अगले दशकों में युवा भारत बुजुर्गों का भारत बनने वाला है। वर्ष 2050 तक भारत में साठ साल से अधिक उम्र के 34.7 करोड़ बुजुर्ग होंगे। क्या इस चुनौती से निपटने को हम तैयार हैं ?

जब बाबा साहब ने किया था संघ के शिविरों का दौरा एक घंटे तक दलितों और उनके उत्थान पर की चर्चा

» लोकेन्द्र सिंह राजपूत

लेखक, माखनलाल चतुर्वेदी राष्ट्रीय पत्रकारिता एवं संचार विश्वविद्यालय, भोपाल में सहायक प्राध्यापक हैं।

बाबा साहब डॉ. भीमराव अंबेडकर सन 1935 में पुणे में आयोजित महाराष्ट्र के पहले संघ शिक्षा वर्ग में आए थे। दरअसल, वे अपने व्यवसाय के निमित्त दापोली गए, तब वहाँ की शाखा पर भी गए और स्वयंसेवकों के साथ खुलेमन से चर्चा की।

संविधान निमार्ता डॉ. भीमराव अंबेडकर और राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के विचारों में बहुत हद तक साम्य है। विशेषकर, हिन्दू समाज में काल के प्रवाह में आई अस्पृश्यता को दूर करने के लिए जिस प्रकार का संकल्प बाबा साहब के विचारों में दिखायी देता है, उसके दर्शन राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के कार्य में प्रत्यक्ष रूप से होते हैं। यही कारण है कि संघ और बाबा साहब प्रारंभ से, अप्रत्यक्ष रूप से एक-दूसरे के निकट रहे हैं। यह तथ्य बहुत कम ही सामने आया है कि डॉ. अंबेडकर ने संघ की शाखा एवं शिक्षा वर्गों में जाकर स्वयंसेवकों को संबोधित भी किया है और संघ के पदाधिकारियों से संघ कार्य की जानकारी भी प्राप्त की थी। इसलिए आज जब कहा जाता है कि बाबा साहब भी संघ की शाखा पर आए थे, तो लोग आश्चर्य व्यक्त करते हैं। परंतु, यह सत्य है। यह भी याद रखें कि संघ के प्रति बाबा साहेब के मन में कभी कोई दुराग्रह या नकारात्मक दृष्टिकोण नहीं रहा है। अवसर आने पर उन्होंने संघ के संबंध में सद्भाव ही प्रकट किए हैं। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) के कार्यकर्ताओं एवं अधिकारियों के मन में भी बाबा साहेब के प्रति श्रद्धा का भाव है। संघ के कार्यकर्ता एकात्मता स्रोत में प्रतिदिन बाबा साहब डॉ. भीमराव अंबेडकर का स्मरण करते हैं।

बाबा साहब डॉ. भीमराव अंबेडकर सन 1935 में पुणे में आयोजित महाराष्ट्र के पहले संघ शिक्षा वर्ग में आए थे। दरअसल, वे अपने व्यवसाय के निमित्त दापोली गए, तब वहाँ की शाखा पर भी गए और स्वयंसेवकों के साथ खुलेमन से चर्चा की। इसका उल्लेख भारतीय मजदूर संघ सहित अनेक सामाजिक संगठनों के संस्थापक रहे विचारक दत्तोपंत ठेंगठी ने अपनी पुस्तक डॉ. अंबेडकर और सामाजिक क्रांति की यात्रा में किया है। इसके साथ ही बाबा साहब डॉ. अंबेडकर से जुड़े रहे पूर्व लोकसभा सांसद बालासाहेब सालुंके ने भी इसका उल्लेख किया है। उनके पुत्र काश्यप सालुंके ने भानुदास गायकवाड़ के साथ मिलकर बालासाहेब सालुंके के संस्मरणों एवं विचारों का संकलन किया है- ह्यआमचं सायेब : दिवंगत खासदार बालासाहेब सालुंकेह्न। इस पुस्तक के पृष्ठ 25 और 53 पर डॉ. अंबेडकर और आएसएस के संदर्भ में उपरोक्त उल्लेख आते हैं। याद रहे कि बाला साहेब सालुंके और उनके पुत्र काश्यप सालुंके का संघ से कोई संबंध नहीं है।

सन 1937 में करहाड शाखा (महाराष्ट्र) के विजयादशमी उत्सव पर बाबा साहब का भाषण हुआ। सन 1939 में एक बार फिर बाबा साहब पुणे के संघ शिक्षा वर्ग के सायंकाल के कार्यक्रम में आए थे। यहाँ उनकी भेंट राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के संस्थापक एवं तत्कालीन सरसंघचालक डॉ. केशव बलिराम हेडगेवार से हुई। इस अवसर पर एक प्रेरणादायी प्रसंग घटित हुआ, जो आज में हमें दिशा देता है। वर्ग में शामिल स्वयंसेवकों के संबंध में जानकारी प्राप्त करते हुए बाबा साहब ने डॉ. हेडगेवार से पूछा- इनमें अस्पृश्य कितने हैं? डॉ. हेडगेवार ने कहा- चलो, घूम कर देखते हैं। बाबा साहब बोले- इनमें अस्पृश्य तो कोई दिख नहीं रहा। डॉ. हेडगेवार ने कहा- आप पूछ लें। बाबा साहब ने पूछा- आप में से जो अस्पृश्य हों, वे एक कदम आगे आ जाएं। उस पंक्ति में से एक भी स्वयंसेवक आगे नहीं आया। बाबासाहब ने कहा- देखा, मैं पहले ही कहता थाह्न। इस पर डॉ. हेडगेवार ने कहा- हमारे यहाँ यह बताया ही नहीं जाता कि आप अस्पृश्य हैं। आप अपनी अभिप्रेत जाति का नाम लेकर उनसे पूछें। तब बाबासाहब ने स्वयंसेवकों से प्रश्न किया- इस वर्ग में कोई हरिजन, मांग, चमार हो, तो एक कदम आगे आए। ऐसा कहने पर कई स्वयंसेवकों ने कदम आगे बढ़ाया। उनकी संख्या सौ से ऊपर थी।

सन 1940 में भी बाबा साहेब डॉ. भीमराव अंबेडकर पुणे में संघ की शाखा में गए थे। यहाँ स्वयंसेवकों के समक्ष अपने विचार प्रकट किए। इस संबंध में हाल ही में विश्व संवाद केंद्र, विदर्भ ने 9 जनवरी 1940 को प्रकाशित प्रसिद्ध मराठी दैनिक समाचारपत्र केसरी की प्रति साझा की है। केसरी में प्रकाशित समाचार के अनुसार, बाबा साहब ने संघ के स्वयंसेवकों को संबोधित करते हुए कहा- कुछ बातों पर मतभेद हो सकते हैं। लेकिन संघ की तरफ अपनत्व की भावना से देखता हूँ। बाबा साहब के इस वाक्य से स्पष्ट है कि वे संघ के कार्य को अपना कार्य समझते थे। संभवतः उन्हें इस बात की प्रसन्नता रही होगी कि जिस काम को उन्होंने हाथ में लिया है, संघ के स्वयंसेवक उसे जमीन पर उतारने में बड़ा सहयोग दे रहे हैं। बाबा साहब का संबंध संघ के साथ लंबे समय तक बना रहा।

मुद्दा

यूपी बनेगा देश की अर्थव्यवस्था का ग्रोथ इंजन

उत्तर प्रदेश की आर्थिक प्रगति देश भर में चर्चा का विषय है। प्रकृति एवं परमात्मा की असीम अनुकंपा के बावजूद उत्तर प्रदेश की अर्थव्यवस्था सातवें या आठवें स्थान पर झूलती रही। इस दौरान इसका कुल आकार भी 12 हजार करोड़ रुपये से लेकर 12.5 हजार करोड़ रुपये के बीच ही रहा। पर, मार्च 2017 में योगी आदित्यनाथ के मुख्यमंत्री बनने के बाद इसमें अभूतपूर्व बदलाव आया। आज 27.5 हजार करोड़ रुपये की अर्थव्यवस्था के साथ यूपी देश की देश की दूसरी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था वाला राज्य है। देश की जीडीपी में उत्तर प्रदेश का योगदान 9.2 फीसद है। जीडीपी की ग्रोथ राष्ट्रीय औसत 9.6 फीसद की तुलना में 11.6 फीसद है। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ इसे 2030 तक देश की नंबर वन अर्थव्यस्था वाला राज्य बनाने को कृत संकल्पित हैं। अभी एक अप्रैल को भी बरेली में एक कार्यक्रम के दौरान इस बात को दोहराया था।

अब तो निजी तौर पर आर्थिक विशेषज्ञ और संस्थाएं भी यह मानने लगी हैं कि उत्तर प्रदेश में विकसित भारत का ग्रोथ इंजन बन सकता है। हाल ही में लखनऊ में योजना विभाग की ओर से आयोजित कार्यशाला में नीति आयोग के पूर्व उपाध्यक्ष डॉ. राजीव कुमार ने भी यह बात कही थी। उन्होंने कहा था कि करीब 56 फीसद युवा आबादी, नौ तरह के अलग कृषि जलवायु क्षेत्र, पानी की भरपूर उपलब्धता आदि के जरिये यह संभव है। उन्होंने अलग-अलग जिलों को आर्थिक गतिविधियों का केंद्र बनाने के लिए जिस एक्शन प्लान का जिक्र किया था, उस पर योगी सरकार पहले से काम कर रही है।

एक जिला एक उत्पाद (ओडीओपी) योजना और एक जिला-एक जीआई (जियोग्राफिकल इंडिकेशन) इसकी कड़ी है। अब तो सरकार इससे भी आगे एक जिला एक पकवान के बाबत सोच रही है। ओडीओपी योजना प्रदेश की सफलतम योजना है। इसकी तारीफ प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी भर कर चुके हैं। इंडोनेशिया जैसे देश भी इसकी इसके मुरीद हैं।

नीति आयोग ने राजकोषीय स्थित के संबंध में जारी रिपोर्ट में यूपी को फ्रंट रनर राज्य की श्रेणी में रखा है। भारतीय रिजर्व बैंक ऑफ ने भी कर की प्राप्तियों में उत्तर प्रदेश को देश में दूसरे स्थान पर रखा है। पिछले पांच वर्षों से रेवेन्यू सरप्लस स्टेट की स्थित इस बात का प्रमाण है कि सरकार ने प्रभावी तरीके से कर चोरी, इसके लीकेज को खत्म किया है। इसमें डिजिटलाइजेशन को बढ़ाकर व्यवस्था में पारदर्शिता लाने की महत्वपूर्ण भूमिका रही है।

ऋण और जमा अनुपात (सीडी रेशियो) जो हर दम से प्रदेश की समस्या रही है उसमें भी अच्छा खासा सुधार हुआ है। 2016/2017 में यह 46 फीसद था। 2024 में बढ़कर 61 फीसद हो गया है। मौजूदा वित्तीय वर्ष में सरकार ने इसके लिए 67 से 70 फीसद का लक्ष्य रखा है। अर्थव्यवस्था में सुधार होने से बैंकों ने भी उत्तर प्रदेश के प्रोजेक्ट्स को फाइनेंस करने में रुचि दिखाई है। आरबी आई की अगस्त 2023 की बुलेटिन के अनुसार फंड आकर्षित करने में 16.2 फीसद की हिस्सेदारी के साथ उत्तर प्रदेश देश में पहले स्थान पर है। समग्रता में आप कह सकते हैं कि मुख्यमंत्री योगी की मंशा के मुताबिक उत्तर प्रदेश को वन ट्रिलियन डॉलर की अर्थव्यवस्था बनाने के लिए पूरी मजबूती के साथ चौतरफा प्रयास जारी है।

पर्सनालिटी

अपने उसूलों की खातिर ठुकरा दिया था दादा साहेब फाल्के अवॉर्ड, ऐसा था सुचित्रा सेन का फिल्मी सफर

» अनन्या मिश्रा

आज ही के दिन 06 अप्रैल को हिंदी सिनेमा की महानायिका का दर्जा पाने वाली एक्ट्रेस सुचित्रा सेन का जन्म हुआ था। सुचित्रा सेन ने बंगाली सिनेमा के साथ-साथ हिंदी सिनेमा में भी अपनी अलग पहचान बनाई थी। लेकिन महज 48 साल की उम्र में उन्होंने फिल्मों से संन्यास ले लिया था।

हिंदी सिनेमा की महानायिका का दर्जा पाने वाली एक्ट्रेस सुचित्रा सेन का आज ही के दिन 06 अप्रैल को जन्म हुआ था। वह न सिर्फ एक शानदार एक्ट्रेस थीं, बल्कि वह बेइंतहा खूबसूरत भी थीं। बॉलीवुड अभिनेता दिलीप कुमार और विमल दा भी सुचित्रा सेन के फैन थे। सुचित्रा सेन ने बंगाली सिनेमा के साथ-साथ हिंदी सिनेमा में भी अपनी अलग पहचान बनाई थी। लेकिन महज 48 साल की उम्र में उन्होंने फिल्मों से संन्यास ले लिया था। भले ही अब अदाकारा इस दुनिया में नहीं हैं, लेकिन उनकी यादें आज भी जिंदा हैं। एक्ट्रेस सुचित्रा सेन अपने अभिनय से ज्यादा अपने उसूलों के लिए जानी जाती थीं। तो आइए जानते हैं उनकी बर्थ एनिवर्सरी के मौके पर सुचित्रा सेन के जीवन से जुड़ी कुछ रोचक बातों के बारे में...

जन्म और शिक्षा

बांग्लादेश के पबना जिले में 06 अप्रैल 1931 में सुचित्रा सेन का जन्म हुआ था। उनका असली नाम रोमा दास गुप्ता था। उनके पिता का नाम करुणामय दासगुप्ता था, जोकि हेडमास्टर थे। वहीं उन्होंने अपनी शुरूआती पढ़ाई पबना से की थी। वहीं साल 1947 में महज 15 साल की उम्र में उनका विवाह बंगाल के जाने-माने उद्योगपति आदिनाथ सेन के बेटे दिबानाथ सेन से हुई थी। वहीं शादी के 5 साल बाद उन्होंने फिल्म इंडस्ट्री में एंट्री ले ली थी।

बांग्लादेश के पबना जिले में 06 अप्रैल 1931 में सुचित्रा सेन का जन्म हुआ था। उनका असली नाम रोमा दास गुप्ता था, जोकि हेडमास्टर थे। वहीं उन्होंने अपनी शुरूआती पढ़ाई पबना से की थी।

उत्तम कुमार के साथ जमी जोड़ी

साल 1952 में सुचित्रा की बांग्ला फिल्म सारे चतुर रिलीज हुई। यह सुचित्रा की पहली फिल्म थी। एक समय ऐसा भी था जब उत्तम कुमार और सुचित्रा सेन की जोड़ी को बांग्ला सिनेमा की सबसे ज्यादा फेमस जोड़ी माना जाने लगा था। उत्तम कुमार और सुचित्रा सेन ने एक से बढ़कर एक कई हिट फिल्में की। वहीं साल 1953 से 1978 तक एक्ट्रेस ने हिंदी और बांग्ला की कुल 61 फिल्मों में काम किया था। जिनमें से 30 फिल्में सिर्फ उत्तम कुमार के साथ थीं। वहीं साल 1978 में सुचित्रा सेन ने फिल्म इंडस्ट्री से संन्यास ले लिया था।

ठुकरा दिया दादा साहब फाल्के पुरस्कार

सुचित्रा सेन के बारे में कहा जाता है कि वह बहुत ही ज्यादा स्वाभिमानी एक्ट्रेस थीं। निजी जिंदगी में बेहद उसूलों वाली थीं। बताया जाता है कि एक बार उन्होंने जो मन में ठान लिया उसको वह किसी भी हाल में करके रहती थीं। बता दें कि उन्होंने दादा साहेब फाल्के पुरस्कार ठुकरा दिया था। उन्होंने यह सम्मान लेने से सिर्फ इसलिए मना किया था, क्योंकि उनको यह सम्मान लेने के लिए कोलकाता से दिल्ली जाना पड़ता, जबकि उन्होंने पब्लिक के बीच न जाने का वादा किया था।

बांग्लादेश के पबना जिले में 06 अप्रैल 1931 में सुचित्रा सेन का जन्म हुआ था। उनका असली नाम रोमा दास गुप्ता था। उनके पिता का नाम करुणामय दासगुप्ता था, जोकि हेडमास्टर थे। वहीं उन्होंने अपनी शुरूआती पढ़ाई पबना से की थी।

मृत्यु

वहीं 17 जनवरी 2014 में 82 साल की उम्र में सुचित्रा सेन ने इस दुनिया को हमेशा के लिए अलविदा कह दिया था।

आज का इतिहास

महत्त्वपूर्ण घटनाएँ

1994 - भारत सहित 109 देशों द्वारा गैट समझौते की स्वीकृति।
1998 - थम्पी गुरु के नाम से प्रसिद्ध फ्रेडरिक लेंज का निधन।
1999 - पाकिस्तान की पूर्व प्रधानमंत्री बेनजीर भुट्टो तथा उनके पति आसिफ अली जरदारी को सरकारी ठेकों में दलाली खाने के आरोप में पांच वर्ष की कैद की सजा, पाकिस्तान ने परमाणु क्षमता वाले अपने दूसरे प्रक्षेपास्त्र शाहीन-1 का परीक्षण किया।
2000 - आतंकवाद से निपटने के लिए सहयोग के आहवान के साथ जी -77 शिखर सम्मेलन हवाना में सम्पन्न।
2003 - ब्रिटेन में आयरिश रिपब्लिकन आर्मी ने हथियार डाल देने का निर्णय लिया।
2004 - राजीव गांधी हत्याकांड से जुड़े लिट्टे उग्रवादी वी. मुरलीधरन की कोलम्बो में हत्या की गयी।
2006 - इंटरपोल ने जकार्ता सम्मेलन में एंटी करप्शन एकेडमी के गठन का प्रस्ताव सुझाया।
2008 - राज्यसभा के सभापति मोहम्मद हामिद अंसारी ने बजट सत्र के दूसरे चरण के पहले दिन नव निर्वाचित 55 सदस्यों में से 50 को शपथ दिलायी।
भारतीय मूल के कनाडाई मंत्री दीपक ओबेरॉय को अफगानिस्तान पर गठित कनाडाई संसद की विशेष समिति का सदस्य चुना गया।
2010 - भारत में निर्मित पहले क्रायोजेनिक रॉकेट जीएसएलवी-डी3 का प्रक्षेपण नाकाम हो गया।

15 अप्रॅल को जन्मे व्यक्ति

1452 - लिओनार्दो दा विंची, इटलीवासी, महान चित्रकार।
1469 - गुरु नानक - उनमें पैगम्बर, दार्शनिक, राजयोगी, गृहस्थ, त्यागी, धर्मसुधारक, समाज-सुधारक, कवि, संगीतज्ञ, देशभक्त, विश्वबन्धु सभी के गुण उत्कृष्ट मात्रा में विद्यमान थे।

1563 - गुरु अर्जन देव - सिक्खों के पाँचवें गुरु।
1865 - अयोध्यासिंह उपाध्याय - खड़ी बोली के प्रथम महाकाव्यकार।
1901 - अजय कुमार मुखर्जी - पश्चिम बंगाल के भूतपूर्व मुख्यमंत्री थे।
1907 - शेर जंग थापा - भारतीय सेना अधिकारी थे। वे स्कार्दू के नायक के रूप में सम्मानित थे।
1940 - सुल्तान खान - भारत के प्रसिद्ध सारंगी वादक और शास्त्रीय गायक।
1946 - फ्रॉंसिस्को सार्डिन्हा - भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस के राजनीतिज्ञ, जो गोवा के भूतपूर्व मुख्यमंत्री रहे हैं।
1948 - थिरुमलाचारी रामासामी - पूर्व भारतीय विज्ञान और प्रौद्योगिकी सचिव हैं।
1960 - नरोत्तम मिश्रा - मध्य प्रदेश की राजनीति में भारतीय जनता पार्टी के प्रसिद्ध नेता।
1972 - मंदिरा बेदी- बालीवुड अभिनेत्री, क्रिकेट ग्लैमर और फैशन की मूर्ति।

1992 - वंदना कटारिया - भारतीय फील्ड हॉकी खिलाड़ी हैं जो राष्ट्रीय टीम में फॉरवर्ड के रूप में खेलती हैं।

15 अप्रॅल को हुए निधन

1985 - शंभुनाथ डे - हैजा के जीवाणु पर शोध कार्य करने वाले भारतीय वैज्ञानिक थे।
1981 - दरोगा प्रसाद राय - भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस के राजनेता तथा स्वतंत्रता सेनानी थे।

महत्त्वपूर्ण अवसर एवं उत्सव

रेल सप्ताह
फायर सर्विस सप्ताह

संक्षिप्त खबरें

राजकीय पॉलीटेक्निक में मनाई गई अंबेडकर जयंती

» हनी चन्द्रा/सब का सपना

चंदौसी/सम्भलः सोमवार को बदायूँ रोड स्थित राजकीय पॉलीटेक्निक चन्दौसी में बाबा साहेब अंबेडकर की 134वीं जयंती बनायी गई। कार्यक्रम का संचालन श्रीमती ममता रानी, श्रुति अग्रवाल द्वारा किया गया। अंबेडकर जयंती सभी भारतीयों के लिए खास है क्योंकि यह दिन हमें बाबा साहब भीमराव अंबेडकर की जयंती पर उनके योगदान को याद करने का एक अवसर है। प्रधानाचार्य एस० के० वर्मा जी ने बताया कि बाबा साहेब ने जाति,भेदभाव और असमानता के खिलाफ लडाई लडी। उनकी सोच आज भी समाज को आगे बड़ाने की राह दिखाती है। कार्यक्रम के दौरान भाषण प्रतियोगिता,कविता पाठ एवं निबंध प्रतियोगिता हुई। संस्था की ई-क्लास में डॉ. अम्बेडकर जी की जीवन पर आधारित एक डॉक्यूमेंट्री फिल्म भी दिखाई गई। इस अवसर पर विभागाध्यक्ष केमिकल इंजीनियरिंग वरश्री गंगवार , मनोज कुमार सिंह , सुनील कुमार , कृष्णा कुमार चौरसिया , चंद्रकांत गुप्ता, रोहित कुमार , आदित्य कुमार, अरुण कुमार, निलय यादव, संजीव कुमार, दुर्गपाल आदि उपस्थित रहे ।

विकासखंड परिसर में मनाई गई बाबा साहब की जयंती

» मनोज शर्मा / सब का सपना

रहराः विकासखंड परिसर गंगेश्वरी में बाबा साहेब डॉ भीमराव अबेडकर जी की जयंती हर्षोल्लास के साथ मनाई गई। सर्वप्रथम बाबा साहेब के चित्र पर माल्यार्पण किया गया और उनको पुष्प चढ़ा कर उनका स्मरण किया गया। उसके बाद देश के शहीदों को स्मरण करते हुए विकास खंड में स्थित शहीद स्थल पर पुष्प समर्पित किए गए। खंड विकास अधिकारी अश्विनी कुमार ने बाबा साहेब के द्वारा समाज के लिए किए कार्यो से अवगत कराया और कहा कि आज इस देश का संविधान इस देश को एक किए हुआ है। समाज में समरसता की भावना लाए हुए है ये बाबा साहब का संविधान ही है जो आज दलित शोषित को उनका अधिकार प्रदान करता है। सहायक विकास अधिकारी पंचायत नितिन जैन ने कहा कि बाबा साहब द्वारा जो सीख दी गई है उस पर हमें चलना है दलित शोषित को सबसे बड़ा अधिकार पढ़ाई का दिया है। जिसके कारण आज सभी को अपने अधिकारों की जानकारी है और समाज निरंतर तरक्की कर रहा है। बाबा साहब की दूरदर्शिता ही थी कि उन्होंने संविधान में ऐसे नियम बनाए जिसका सबसे बड़ा लाभ समाज के सबसे निम्न स्तर को प्राप्त हो रहा है ये हमारा सौभाग्य है कि बाबा साहब हमारे देश में पैदा हुए और उनके बताए मार्ग पर चलते हुए हम अपने अधिकारों का प्रयोग कर रहे है। कार्यक्रम में अश्विनी कुमार खंड विकास अधिकारी, नितिन जैन एडीओ पंचायत , राजकुमार एडीओ आईएसबी, संजय वर्मा, सचिन कुमार, अरुण कुमार, संदीप , विक्रम, पंकज, सुमित, ग्राम प्रधान रहरा आदि उपस्थित रहे।

निजी विद्यालय द्वारा निर्धारित दुकानों से किताब खरीदने के लिए मजबूर करने के खिलाफ प्रदर्शन

» हनी चन्द्रा/सब का सपना

चंदौसी/संभलः सोमवार को अखिल भारतीय युवा उधोग व्यापार मण्डल चन्दौसी के तत्वाधान में निजी स्कूलों की मनमानी के खिलाफ बड़ा बाजार स्थित सुपर मार्केट में व्यापारियों के माध्यम से प्रदर्शन किया गया। नगर अध्यक्ष अनुज वार्ष्णेय अन्नू ने कहा कि जब जिलाधिकारी महोदय राजेन्द्र पेंसिया ने सभी निजी स्कूलों को NCERT की किताबें लगाने के निर्देश दिया है तो उसका पालन क्यूँ नही किया जा रहा है।

निजी स्कूलों की मनमानी के खिलाफ प्रशासन भी देर से जागा। जब तक तो निजी स्कूलों ने अभिभावकों की जेब पर डांका डालना शुरू कर दिया अधिकांश निजी स्कूलों ने अपने कोर्स में प्राईवेट पब्लिकेशन की किताबें को लगा दिया है जो किताब ठउएफछ्ळ की 10 रुपए की आती है वही किताब प्राइवेट पब्लिकेशन की 100 रुपये से भी अधिक आती है। अभिभावकों को किताब विक्रेताओं द्वारा कमीशन खोरी के उद्देश्य को पूरा करने के लिए जम कर लुटा जा रहा है।

मुख्य किताबों के अलावा कमीशन के रूप में मोटी रकम ले कर बो किताबें तक लगा दी जाती है जिसका कोर्स से और बच्चे की पढ़ाई से दूर तक कोई लेना देना नही होता है। अतः जिलाधिकारी महोदय से निवेदन है कि जो बच्चे नया कोर्स ले चुके है उनका पैसा स्कूल वालों से वापस कराया जाये। नगर महामंत्री शुभम अग्रवाल ने कहा कि यह शिक्षा का व्यावसायीकरण है। अभिभावकों के साथ हम इसके खिलाफ आवाज उठा रहे हैं। निजी विद्यालय अपनी चुनिंदा दुकानों से किताबें और यूनिफॉर्म खरीदने के लिए अभिभावकों को बाध्य करते हैं, जिससे अभिभावकों को कम विकल्प मिलते हैं और वे मनमानी कीमतों का भुगतान करने के लिए मजबूर होते हैं।

निजी विद्यालय प्रायः अपनी किताबों की कीमतें मनमाने ढंग से बढ़ाते हैं, जिससे अभिभावकों को आर्थिक संकट से जुझना पड़ता हैं। इस दौरान नगर महामंत्री शुभम अग्रवाल, राजू चड्ढा, मेहताब, शाहआलम मंसुरी, नितिन रस्तोगी, वाशु, मोहित सिंह, विशाल, दिनेश गुप्ता आदि व्यापारी एवं अभिभावक गण मौजूद रहे।

सरकार ने लगाया ताला, बस मालिकों ने कर दिया खेल निराला

समय बदला तरीका बदला लोडिंग वाहनों का समान प्राइवेट बसों से किया जा रहा इधर से उधर

» सब का सपना संवाददाता

- टूरिस्ट बसों का परमिट लेकर राजस्व को दिया जा रहा करोड़ों का नुकसान
- अनेकों जिलों से होकर गुजरती है यह बसे, अधिकारी मौन
- हर रोज करोड़ों रुपए का सामान इन बसों से होता है इधर से उधर टैक्स के नाम पर जीरो
- बदायूं, संभल, रामपुर, बरेली, मुरादाबाद, बिजनौर से होकर अमरोहा के गजरौला व जनपद हापुड़ से होते हुए पहुंचती है दिल्ली

अमरोहाः डग्गा मार वाहनो को बंद करने के लिए सरकार ने लाखों जतन किए हैं इतना ही नहीं सरकार के द्वारा समय-समय पर कहा गया की रोड पर जाम नहीं लगने दिया जाएगा। रोड पर डग्गा मारी नहीं करने दी जाएगी लेकिन यह क्या जहां से रोडवेज बस निकलती है उसी रोड पर रोडवेज बस के किराए से कम रुपए में आपको अब प्राइवेट बस लेकर जाती है और रोडवेज बस से कम समय में आपको आपके स्थान तक पहुंचा देती है। हां यह बात अलग है कि रोडवेज बस में बैठने के बाद आप अपने आप को सुरक्षित महसूस करेंगे लेकिन प्राइवेट बस में बैठने के बाद आप घर वापस जा पाएंगे या नहीं इसकी गारंटी नहीं है। हाल ही में डबल डेकर बस डायल 112 को ओवरटेक करते हुए सामने से आ रही रोडवेज बस से टकरा गई। यह मामला कहीं और का नहीं बल्कि उत्तर प्रदेश के जनपद संभल का है जहां रोडवेज बस वाले की केवल इतनी सी गलती थी कि वह अपनी बस को रोड पर सही दिशा में लेकर चल रहा था लेकिन प्राइवेट बस डबल डेकर के द्वारा पुलिस की गाड़ी को ओवरटेक करते हुए रोडवेज में टक्कर मार दी गई। इसके बाद का आलम आप सभी समझते होंगे।

आम आदमी का ओवर स्पीड में चालान कट जाता है। जगह-जगह पर पुलिस चेकिंग करते हुए दिखाई देती है। और आम आदमी कार में बगैर सीट बेल्ट के मोटरसाइकिल पर बगैर हेलमेट के यदि गलती से भी दिखाई दे गया तो समझो कि उसका चालान कटना निश्चित तय है लेकिन यह अच्छी बात है की आम जनमानस को उसकी सुरक्षा के लिए सरकार के द्वारा चेकिंग अभियान चलाया जाता है। सुरक्षा अभियान चलाया जाता है सैफ चलें सुरक्षित रहे बताया जाता है। लेकिन वहीं दूसरी तरफ प्राइवेट बसें ओवर स्पीड के साथ चलती हैं। अधिकारियों के द्वारा इन बसों की तरफ शायद ही निगाहें उठाकर देखा जाता हो या यू कहें की कार्यवाही के नाम पर दो-चार बसों पर कार्रवाई कर इतिश्री कर दी जाती है। आखिर ऐसा कौन सा लालच है जिसकी वजह से यह बसें सरकार को राजस्व का नुकसान देने में कामयाब हो रही है? और अधिकारी इन बसों पर कार्रवाई करने के लिए तैयार ही नहीं है?

वहीं दूसरी तरफ लोडिंग वाहनों का सामान इन बसों के द्वारा देश की राजधानी दिल्ली जैसी जगह से यूपी में बगैर टैक्स के लाया जा सकता है इतना ही नहीं इन बसों की बॉर्डर पर भी शायद ही कोई चेकिंग होती हों। इसीलिए इन बसों में एक नंबर ही नहीं बल्कि दो नंबर के भी काफी सामान इधर से उधर किये जा सकते हैं वहीं दूसरी तरफ लोडिंग वाहन अब धीरे-धीरे पतन की ओर जा रहे हैं। इसका मुख्य कारण है की लोडिंग वाहन का सामान भी बसों के द्वारा इधर से उधर लाया और ले जाया जा रहा है। जो सामान को लोडिंग वाहन उदाहरण के तौर पर दस हजार रुपए में लेकर जाता है उसी समान को यह बसें मात्र पांच हजार में लेकर चली जाती हैं। जिससे कि व्यापारी बगैर किसी टेंशन के इन बस मालिकों को सामान पहुंचाने का ठेका देने का कार्य करते हैं और अपना टैक्स भी बचा लेते हैं। वहीं दूसरी तरफ लोडिंग वाहन लगातार घाटे की तरफ जाते हुए दिखाई दे रहे हैं। अब ऐसे में सवाल उठता है कि क्या टैक्स चोरी को रोकने के लिए कोई ठोस कदम उठाए जा रहे हैं या फिर केवल इतिश्री की जा रही है।

समझने वाली बात यह है कि बदायूं, संभल से होते हुए गजरौला (अमरोहा) हापुड़ से यह बस सामानों को लेकर दिल्ली पहुंच जाती हैं वहीं रामपुर, बरेली, मुरादाबाद, अमरोहा, गजरौला, हापुड़ से होते हुए भी बसें दिल्ली पहुंचती हैं।

बिजनौर, चांदपुर, धनोरा होते हुए भी बस गजरौला से हापुड़ होते हुए दिल्ली पहुंचती हैं। इन बसों में सवारियों को तो रोडवेज बसों के रूट से बैठाया और उतरा ही जाता है लेकिन वही इन बसों के अंदर और छत पर अगर आप देखेंगे तो न जाने कितना सामान अवैध तरीके से इधर से उधर लाया और ले जाया जा रहा है लेकिन जब इस विषय में आप अधिकारियों से बात करेंगे तो उनका जवाब केवल आपको गोल मटोल ही मिलेगा।

हालांकि सूत्रों के माध्यम से जानकारी मिलती रहती है कि इन बसों से प्राइवेट लोगों के माध्यम से अवैध तरीके से उगाही की जाती है और उस धन का हिस्सा बटवारा भी किया जाता है। अब देखना यह होगा कि सब कुछ यूं ही चलता रहेगा या फिर कुछ बदलेगा भी?

बाबा साहब के पदचिन्हों पर चलने का लिया संकल्पः इक्तेदार उल्ला खां

बाबा साहब के कारवां को आगे बढ़ाना ही सच्ची श्रद्धांजलिः रामवीर

» सब का सपना संवाददाता

हसनपुरः नगर के मोहल्ला कोट खेवान में अंबेडकर उद्यान समिति के तत्वाधान में बाबा साहब के चित्र पर माल्यार्पण कर जयंती मनाई गई। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में वरिष्ठ समाजसेवी इक्तेदार उल्लाह खान एवं विशिष्ट अतिथि के रूप में अखिल भारतीय अंबेडकर युवक संघ हसनपुर के अध्यक्ष रामवीर सिंह ने संयुक्त रूप माल्यार्पण कर कार्यक्रम की शुरूआत की।

मुख्य अतिथि के रूप में बोलते हुए इक्तेदार उल्ला खान एवं विशिष्ट अतिथि अंबेडकर युवक संघ हसनपुर के अध्यक्ष रामवीर सिंह ने कहा कि आज पूरे देश में अम्बेडकर जयंती बड़े ही हर्षोल्लास के साथ मनाई जा रही है। उन्होंने कहा कि सभी को बाबा साहब के आदर्शों पर चलकर समाज में नए कीर्तिमान स्थापित करने हैं। उन्होंने उपस्थित सभी बाबा साहब अनुयायियों से कहा कि हमें बाबा साहब के बताए मार्ग पर चलकर ही कामयाबी हासिल हो सकती है।

बाबा साहब ने जो तीन मूल मंत्र दिए थे शिक्षित बनो, संगठित रहो और संघर्ष करो के आधार पर हमें आगे बढ़ना होगा।और बालिका शिक्षा को भी बढ़ावा देना होगा बाबा साहब के जीवन परिचय पर विस्तार से प्रकाश डाला गया।

इस अवसर पर अंबेडकर उद्यान समिति के अध्यक्ष विजय गौतम, पूर्व सभासद अरविंद उर्फ अन्ना, विनोद कुमार गौतम, रोहताश सिंह, दिनेश जाटव,जगबीर सिंह मौर्य, ललित कुमार,चमन लाल अमीन, नवाब सैफी, अजब सिंह एडवोकेट, उस्मान खान, महिपाल सिंह, करणवीर सिंह, दिनेश कुमार, सुरेश सिंह, रामनारायण,दौलत सिंह, दिनेश कुमार,मोहनलाल आदि मौजूद रहे।

बबराला में भाजपा ने मनाया भीमराव अंबेडकर का जन्मदिवस

» हनी चन्द्रा/सब का सपना

बबराला/सम्भलः सोमवार को भारतीय जनता पार्टी बबराला द्वारा भारत रत्न डॉ भीमराव अंबेडकर साहब की 135वीं जयंती के अवसर पर बाबा साहब की मूर्ति अंबेडकर पार्क एवं एवं नगर पंचायत कार्यालय पर फूल मालाओं पहनकर बाबा साहब का जन्मदिन धूमधाम से मनाया जिसमें पूर्व मंडल अध्यक्ष बबराला एवं रेलवे सलाहकार सदस्य विनय कुमार वार्ष्णेय एडवोकेट एवं बबराला नगर पंचायत अध्यक्ष हर्षवर्धन वार्ष्णेय एवं योगेश गुप्ता, राजीव महेश्वरी उपाध्यक्ष, सावरेन सिंह यादव, निशांत गुप्ता, नितिन अरविंद, रामावतार जाटव, सभासद मीना गुप्ता, सभासद सहित दर्जनों कार्यकर्ताओं ने बाबा साहब भीमराव अंबेडकर जी का जन्मदिन धूमधाम से मनाया।

श्रृद्धा सुमन — सामाजिक सुधारों को अम्बेडकर जी ने आगे बढ़ाया और सरोकारों को प्राथमिकता दी, उन्होने हमेशा समाज सुधार और राष्ट्रीय एकीकरण की बात कहीः जिलाधिकारी

कलेक्ट्रेट सभागार में उत्सव के रूप में मनाई गई भारत रत्न डा0 भीमराव अम्बेडकर जी की 135 वीं जयंती

» सब का सपना संवाददाता

अमरोहाः कलेक्ट्रेट सभागार अमरोहा में हमारा संविधान-हमारा स्वाभिमान थीम के अन्तर्गत बाबा साहब डा0 भीमराव अम्बेडकर जी का 135वाँ जन्म दिवस भव्यता के साथ उत्सव के रूप में मनाया गया। इस अवसर पर जिलाधिकारी मुख्य अतिथि शिक्षक विधायक हरिसिंह ढिल्लो ने सर्वप्रथम डा0 भीमराव अम्बेडकर जी के चित्र पर माल्यार्पण कर पुष्प अर्पित कर उनको नमन किया। तदोपरान्त अपर जिलाधिकारी (वि0/रा0) आदि अन्य अधिकारियों एवं कर्मचारियों द्वारा माल्यार्पण कर पुष्प अर्पित किया गया।

शिक्षक विधायक हरिसिंह ढिल्लो ने उनके जन्मदिवस के इस अवसर पर शुभकामनाएं देते हुए कहा कि उनकी जीवनी को आज अवश्य पढ़ें। उन्होंने कहा बाबा साहब के हृदय में एक ज्वाला थी समाज को बदलने की जो उन्होंने पूर्ण किया। उन्होंने जो अपने मन में ठाना, वह पूरा किया। बाबा साहेब एक महान दार्शनिक, धर्मशास्त्री, अर्थशास्त्री थे और महान व्यक्तित्व के धनी थे। उन्होंने 21 वर्षों तक लगातार सभी धर्म का अध्ययन किया। उनका उद्देश्य समाज को शिक्षित बनाना और शोषित गरीबों वंचितों को उनका हक दिलाना था। उन्होंने कहा आज विश्व में सबसे अधिक मूर्ति बाबा साहब अंबेडकर जी की हैं, सबसे अधिक पार्क उनके नाम से हैं, सबसे ज्यादा पुस्तक उनके नाम पर लिखी गई हैं। उन्होंने कहा सरकार ने उनके परिनिर्वाण दिवस को संविधान दिवस के रूप में मनाया था। हम सभी को संविधान का सम्मान करना चाहिए और उनके जीवन को उनके आदर्शों को अपने जीवन में उतरना चाहिए यही उनके लिये सच्ची श्रद्धांजलि होगी।

जिलाधिकारी निधी गुप्ता वत्स द्वारा बाबा साहब के सामाजिक समानता न्याय शिक्षा गरीबों दलितों पिछड़ों के उत्थान के लिए दिए गए योगदान एवं सामाजिक परिवर्तनकारी जीवन पर आधारित विचार गोष्ठी को सम्बोधित करते हुए कहा कि सामाजिक सुधारों को अम्बेडकर जी ने आगे बढ़ाया और सरोकारों को प्राथमिकता दी। उन्होने हमेशा समाज सुधार और राष्ट्रीय एकीकरण की बात कही। डॉ० बाबासाहब आम्बेडकर लोकप्रिय, भारतीय बहुज्ञ, विधिवेत्ता, अर्थशास्त्री, राजनीतिज्ञ, और समाजसुधारक थे। उन्होंने अछूतों (दलितों) से सामाजिक भेदभाव के विरुद्ध अभियान चलाया था। श्रमिकों, किसानों और महिलाओं के अधिकारों का समर्थन भी किया था। वे स्वतंत्र भारत के प्रथम विधि एवं न्याय मन्त्री, भारतीय संविधान के जनक एवं भारत गणराज्य के निमार्ताओं में से एक थे।

जिलाधिकारी ने कहा कि हम सभी को संविधान के नियमों का पालन करना चाहिए और यह शपथ ले की उनको अपने जीवन में अवश्य उतारे। उन्होंने कहा ज्यादातर देशों में संविधान बदलता रहता लेकिन आज हमारा संविधान 75 वर्ष होने के बाद भी निरंतर कार्य कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि हम अपने आत्मविश्वास से समाज को बदल सकते हैं सभी कर्मचारी अधिकारी अपनी पटल पर संविधान के अनुरूप कार्य करें और बाबा साहब के मूल्यों को अपने जीवन में उतारे।

अपर जिलाधिकारी (वि0/रा0) ब्रजेश कुमार त्रिपाठी ने कहा कि हमें डा0साहब के विचारों एवं आदर्शों को अक्षरशः पालन करना चाहिये। बाबा साहब ने सामाजिक बुराइयों से घिरे होते हुये भी इतनी ऊँचाईयों पर पंहुच कर भारत में अपना नाम रोशन कर दिया। उन्होने कहा कि जिस तरह बाबा साहब भीमराव अम्बेडकर कर्म के सिद्धान्त पर चलते थे, उसी तरह हमें भी कर्म पर पूरा ध्यान देना चाहिये, फल की प्राप्ति पर नहीं। महापुरूषों के बताये हुये मार्गों का सदैव अनुसरण करना चाहिये। उन्होने कहा कि डा0 साहब एक अच्छे इंसान थे और उन्होने इन्सानियत का परचम भारत में लहराया है। कहा कि डा0भीमराव अम्बेडकर जी संविधान निमार्ता, उच्च कोटी के दार्शनिक, समाज सुधारक, विशलेषक, कानून के मर्मज्ञ , गरीबों एवं दलितों के मसीहा थे।

जगह जगह मनाई गई भीमराव अम्बेडकर जयंती

» सब का सपना संवाददाता

पूरे देश में आज डॉक्टर भीमराव अंबेडकर की जयंती को धूमधाम से मनाया जा रहा है। मंडल के दाऊद सराय, हादीपुर, चंदौसी, सम्भल, कलां और अतरासी में भी डॉक्टर भीमराव अंबेडकर जी की प्रतिमा पर फूल माला पहनाकर दीप प्रज्वलित कर बनाया गया।मंडल अध्यक्ष रामनिवास गोला प्रजापति ने कहा कि डॉक्टर भीमराव अंबेडकर का जन्म 14 अप्रैल 1891 को मध्य प्रदेश के महू में हुआ था वह वकील होने के साथ-साथ अर्थशास्त्र, राजनीतिक और महान समाज सुधारक भी थे। डॉक्टर भीमराव अंबेडकर को बाबा साहेब अंबेडकर के नाम से भी जान जाता है जिन्होंने छुआछूत और जाति भेद के खिलाफ आंदोलन चलाया था डॉ भीमराव अंबेडकर को भारतीय संविधान का वास्तुकार भी माना जाता है वह भारत के संविधान की मसौदा समिति के अध्यक्ष भी थे उन्होंने समता स्वतंत्रता बंधुत्व और न्याय पर आधारित संविधान की नींव रखी। डॉक्टर बी आर अंबेडकर जयंती के मौके पर आप उनसे प्रेरणा ले सकते हैं यहां से आप अंबेडकर जयंती के मौके पर अपनों को कुछ शुभकामनाएं और बधाई संदेश भी दे सकते है। नींद अपनी खोकर जगाया हमको आंसू अपने गिरकर हंसाया हमको कभी मत भूलना उस महान इंसान को जमाना कहता है बाबा साहेब अंबेडकर जिनको आप सभी को अंबेडकर जयंती की हार्दिक शुभकामनाएं रामनिवास गोला मंडल अध्यक्ष बीजेपी, मंडल अध्यक्ष राजीव चौधरी ने कहा भीमराव अंबेडकर ऐसा एक नाम है जिनका जीवन भारत में समानता स्वतंत्रता और बंधुत्व की भावना को समर्पित करता है उनके सम्मान और याद में 14 अप्रैल को पूरे देश में अंबेडकर जयंती के रूप में मनाया जाता है इस अवसर पर हरपाल सिंह, पदम सिंह, प्रकाश सिंह, मदनपाल, केहर सिंह, अध्यक्षता कर रहे मास्टर हरपाल सिंह सेवा निवृत्ति शिक्षक ,मुख्य अतिथि शशि जैन नगर अध्यक्ष, विशिष्ट अतिथि हरि सिंह मौर्य, श्री वरुण सिंह, इंद्रपाल सिंह, अतिथि गण, देवेंद्र कुमार भगत जी मेंबर वार्ड नंबर 2, अमरोहा डॉ राविंद्र सिंह हादीपुर कला, प्रकाश सिंह पूर्व प्रधान, सुरेश चंद सेवा निवृत्त एस आई, मदन पाल सिंह, शीशपाल सेवा निवृत्ति अध्यापक सत्यवीर सिंह, श्यामलाल सिंह, करतार सिंह, चंदू सिंह, खचेडू सिंह, अरविंद कुमार एडवोकेट, डॉक्टर कपिल कुमार, मास्टर योगेंद्र सिंह, मास्टर हरवीर सिंह, अशोक कुमार एडवोकेट, प्रशांत कुमार, रंजीत कुमार, चंद्र प्रकाश, चंद्रपाल सिंह, मलूक गुर्जर, सोमवीर सिंह गुर्जर, सतीश गुर्जर ,डॉक्टर नासिर अहमद, डॉक्टर नसीम अहमद निजामुद्दीन, इमरान अहमद, छत्रपाल सिंह प्रजापति, रणवीर सिंह चौधरी, फुरकान अहमद पूर्व प्रत्याशी विधानसभा नोगावा सादात, शोभित समाज सेवी, राजवीर सिंह चौधरी मंडल अध्यक्ष बीजेपी, मास्टर कविंद्र सिंह, विपिन कुमार, विनीत कुमार मंडल अध्यक्ष एससी मोर्चा आदि बड़ी संख्या में लोग उपस्थित रहे।

संक्षिप्त समाचार

महिला की तहरीर पर 6 लोगों के ऊपर रिपोर्ट दर्ज

» सब का सपना संवाददाता

चंदौसी कोतवाली क्षेत्र के सेमर टोला में महिला व उसके दो पुत्रों को धारदार हथियार मार घायल कर दिया। शोर-शराबा होने पर मोहल्ले के लोगों ने हमलावरों से बचाया। महिला ने मोहल्ले के ही 6 लोगों के विरुद्ध रिपोर्ट दर्ज कराई है। घायलों का उपचार सीएचसी में कराया गया है। मोहल्ला सेमरटोला निवासी शशिवाला पत्नी स्व. राजकुमार ने कोतवाली में दी तहरीर में कहा है कि मोहल्ले के कुछ लोग उसके बच्चों से रंजिश रखते हैं। रविवार की रात 9 बजे मोहल्ले के धर्मेंद्र व जितेंद्र पुत्रगण गुलाब सिंह, हितेश व विक्की पुत्रगण लल्लू, राहुल व विशाल पुत्रगण ओमकार हाथों में लाठी-डंडे व धारदार लेकर घर में घुस आए। जब विरोध किया तो आरोपियों ने हमलाकर दिया। आरोपियों ने महिला के साथ पुत्र दीपक कुमार व शनी कुमार को जमीन पर गिरा दिया और सिर में शरीर में धारदार हथियार के वार किए। जिसमें दोनों युवक लहूलुहान हो गए। शोर-शराबा होने पर मोहल्ले के लोगों ने मौके पर पहुंच बचाया। आरोपी जाते समय जान से मारने की धमकी देते हुए चले गए। घटना की सूचना पर पुलिस मौके पर पहुंची। महिला की तहरीर पर उक्त 6 लोगों के विरुद्ध विभिन्न धाराओं में रिपोर्ट दर्ज कराई गई है। घायलों का उपचार सीएचसी में कराया गया है।

विद्यालय से संबंधित शिकायत जनता दर्शन मे करे

» सब का सपना संवाददाता

सम्भल। सोमवार को श्यामा कुमार जिला विद्यालय निरीक्षक सम्भल द्वारा सर्व साधारण को सूचित किया कि जनपद सम्भल में संचालित सी०बी०एस०ई० तथा आई०सी०एस०ई० से सम्बद्ध विद्यालयों से यदि किसी अभिभावक को शुल्क अथवा विद्यालय में संचालित पाठ्य पुस्तकों के सम्बन्ध में किसी प्रकार की शिकायत हैं तो जिलाधिकारी, सम्भल के कार्यालय में आयोजित जनता दर्शन में उपस्थित होकर अपनी शिकायत कर सकता हैं अथवा जिला विद्यालय निरीक्षक, सम्भल के कार्यालय में अपनी शिकायत कर सकता हैं।अभिभावकों की शिकायतों का सम्यक विचारोपरान्त निस्तारण सुनिश्चित किया जायेगा।

बड़ी धूमधाम से मनाई बाबा साहेब की जयंती

» सब का सपना संवाददाता

चंदौसी। सोम वार को नगर पंचायत नरौली की ग्राम पंचायत बेहटासाहू में बाबा साहेब डाक्टर भीमराव अंबेडकर की 134 वीं जंयती के शुभ अवसर पर भारतीय अम्बेडकर युवा संघ की तरफ से हर साल की भांति इस साल बड़ी धूमधाम से बाबा साहेब डाक्टर भीमराव अंबेडकर की शोभा यात्रा निकाल कर मनाई जयंती। सुरक्षा की दृष्टि से पुलिस वल भी तैनात रहा । जिसमें इस दौरान संजय कुमार अध्यक्ष यादराम सत्यवीर सचिन विक्रम सिंह पप्पू राजू दीवान सिंह राकेश दिनेश सत्यवान सिंह सोमपाल प्रधान थाना अध्यक्ष रामवीर सिंह बनियाठेर इंचार्ज हाकिम सिंह सचिन प्रशासन और भी मौजूद रहे।

भारतीय मानव कल्याण समिति ने मनाई बाबा साहेब डॉ अंबेडकर की जयंती

» हनी चन्द्रा/सब का सपना

चंदौसी/सम्भल। भारतीय मानव कल्याण समिति ने मनाई बाबा साहेब डॉ अंबेडकर की जयंती। भारतीय मानव कल्याण समिति के तत्वाधान में सीता रोड स्थित श्री राधे कम्प्यूटर सेंटर पर डॉ भीमराव अंबेडकर की 135 वी जयंती मनाई गई। समिति प्रबन्धक डॉ टीएस पाल ने कहा ने बताया डॉ भीमराव अंबेडकर का जन्म 14 अप्रैल 1891 को मध्यप्रदेश के महू में एक महार परिवार में हुआ। उन्होंने दलितों और हाशिए के समुदायों के अधिकारों के लिए लड़ाई लड़ी। यह भारतीय संविधान का मसौदा तैयार करने में उनकी महत्वपूर्ण भूमिका और समानता, न्याय और सामाजिक सुधारों के लिए

उनके आजीवन संघर्ष का सम्मान करता है। मुख्य अतिथि भाजपा नगर अध्यक्ष अंकुर अग्रवाल ने कहा डॉ अम्बेडकर ने मानते थे शिक्षा प्रगति की रीढ़ है। किसी राष्ट्र का भविष्य उसके युवाओं की शिक्षा पर निर्भर करता है। शिक्षा सामाजिक और आर्थिक विकास की कुंजी है। एक आदमी को शिक्षित करो, तुम एक व्यक्ति को शिक्षित करते हो, एक महिला को शिक्षित करो, तुम एक परिवार को शिक्षित करते हो। कार्यक्रम की अध्यक्षता रोशनलाल दिवाकर ने तथा संचालन आकाश कुमार शर्मा ने किया। इस दौरान रतन कुमार वार्ष्णेय, अंकुश जोशी, सुधीर वार्ष्णेय, डॉ श्यामसुंदर दुबे मोहित कुमार, मुनीश बाबू,कृष्ण मोहन गुप्ता, प्रेमपाल, राजेंद्र कुमार, राहुल सक्सेना, महेश कुमार, नरेश चंद्रा, उमेश चंद्र आदि उपस्थित रहे।

गजरौला के गांव ढकिया भूड़ में धूमधाम से मनाई डॉ .भीमराव अंबेडकर की जयंती

» सौरभ गोस्वामी/ सब का सपना

गजरौला : 14 अप्रैल को गांव ढकिया भूड़ में भारत रत्न डॉ भीमराव अंबेडकर की 134वीं जयंती समारोह को बड़े ही धूमधाम और हर्षोल्लास के साथ मनाया गया। इस अवसर पर अंबेडकर युवक संघ की शाखा ढकिया भूड़ के तत्वाधान में पहले गांव में शोभा यात्रा निकाली गई जिसके बाद बाबासाहेब की प्रतिमा पर माल्या अर्पण करके पंडाल में संगीत में कार्यक्रम किया गया। जिसमें बाबासाहेब के जीवन पर प्रकाश डालकर उनके बताएं मार्ग पर चलने का आवाहन किया गया। वहीं कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में पहुंचे धनोरा विधायक राजीव तरारा एवं विशिष्ट अतिथि चौधरी वीरेंद्र सिंह जिला उपाध्यक्ष भाजपा ने बाबासाहेब की प्रतिमा पर माल्या अर्पण कर उनके बताएं मार्ग पर चलने की प्रेरणा ली। इस अवसर पर हरपाल सिंह ,चंद्र सिंह ,अंतराम सिंह, भागीरथ सिंह ,गंगा शरण सिंह ,राहुल देव, एड. रविंद्र सिंह, कुशल चौधरी एवं ब्रह्म सिंह आदि लोग उपस्थित रहे। अध्यक्षता डॉ अंतराम ने की।

अज्ञात वाहन की टक्कर से नीलगाय की मौत एक घायल

» सब का सपना संवाददाता

चंदौसी के नरौली के झंडा वाले बाग से कुछ दूरी आगे दो नीलगाय घूम रही थी तभी अचानक चन्दौसी की ओर से आ रहे अज्ञात वाहन ने उन दोनो नीलगाय को इतनी तेज टक्कर मारी कि नीलगाय दूर गिरी एक नीलगाय की मौके पर ही मृत्यु हो गई और दूसरी घायल हो गई किसी ने सूचना विश्व हिन्दू परिषद व बजरंग दल के कार्यकताओं को सूचना दी मौके पर पहुंचे अमित कश्यप और संदीप ने पुलिस व वन विभाग को सूचना दी नितिन शर्मा बजरंग दल ने बताया पुलिस तो मौके पर समय से पहुंच गई लेकिन वन विभाग की टीम दो घंटे बाद मौके पर पहुंची ' काफी देर बाद जब वन विभाग की टीम पहुंची तब मृत्यु नीलगाय को अपने वाहन में डालकर ले गई इस मौके पर मौजूद मिले संजय शर्मा अनीस अहमद इंचार्ज,नितिन शर्मा,अमित कश्यप,संदीप शर्मा, कन्हैया आदि

धूमधाम से निकाली गई बाबा साहब जयंती की शोभायात्रा, सुरक्षा की दृष्टि से पुलिस बल रहा तैनात

» सब का सपना संवाददाता

चंदौसी मे डॉ. आंबेडकर जन्मोत्सव समारोह समिति की ओर से डॉ. आंबेडकर जयंती पर खुर्जा गेट से विशाल शोभायात्रा निकाली गई। शोभायात्रा का शुभआरंभ पालिकाध्यक्ष लता वार्ष्णेय, भाजपा नगराध्यक्ष अंकुर अग्रवाल व आंबेडकर समिति के अध्यक्ष राजाराम ने फीता काटकर किया। शोभायात्रा में बाबा साहब, गौतम बुद्ध, संविधान छायाचित्र, अशोक चिन्ह, संसद भवन, आदि अनेक प्रकार की झांकियां शामिल रही। शोभायात्रा मालगोदाम रोड स्थित आंबेडकर प्रतिमा पर जाकर संपन्न हुई। सोमवार को आंबेडकर जयंती पर खुर्जा गेट से आरंभ हुई शोभायात्रा में डॉ. आंबेडकर सहित अन्य महापुरुष के स्वरूप में सजे युवक सिंहासन पर विराजमान थे। शोभायात्रा चल रहे डीजे चल रहे थे। जिसकी धुनों पर युवक नृत्य करते चल रहे थे। शोभायात्रा में अनेक युवा अपने हाथों में नीले रंग के झंडे लेकर चल रहे थे। खुर्जा गेट से आरंभ हुई शोभायात्रा बड़ा महादेव, जवाहर रोड, संभल गेट, रामस्वरूप रोड, स्टेशन रोड, फव्वारा चौक, आजाद रोड होते हुए मालगोदाम रोड स्थित आंबेडकर पार्क पर जाकर संपन्न हुई। यहां शोभायात्रा जनसभा में तब्दील हो गई। सुरक्षा की दृष्टि से शोभायात्रा में भरपूर पुलिस बल तैनात रहा। जनसभा में लोगों ने डॉ. आंबेडकर द्वारा समाज हित में किए गए कार्यों का बखान किया गया।

इस अवसर पर विनोद कुमार, अजब सिंह, रामज मल, मुकेश गौतम, बाबूराम, योगेंद्र कुमार, नरेश भारती, नंदू वाल्मीकि, हितेश, ओम प्रकाश, छेदी लाल आदि मौजूद रहे।डॉ. आंबेडकर जन्मोत्सव समारोह समिति के अध्यक्ष राजाराम के द्वारा बनाई गई कार्यकारिणी के जिसमे भगवत किशोर व भावना सागर को वरिष्ठ उपाध्यक्ष, विनोद कुमार, अजब सिंह, रामजी मल, मुकेश गौतम, बाबूराम नीरज, नरेश भारती, योगेंद्र कुमार, नंदू वाल्मीकि, हितेश गुरु, ओम प्रकाश पिप्पल, छेदी लाल को उपाध्यक्ष, गवेंद्र कुमार को महामंत्री, अरविंद आंबेडकर कोषाध्यक्ष, राकेश कुमार को उपकोषाध्यक्ष, कपिल देव को मीडिया प्रभारी, शिशुपाल सिंह, ह्रदेश आंबेडकर, कैलाश चटवाल को संगठन मंत्री, सतीश भारती व सरदार सिंह को प्रचार मंत्री, एनपी सिंह, ओमपाल सिंह, गौरी बौद्ध, छाया बौद्ध, ममता आंबेडकर, चंद्रपाल सिंह, साइमंड्स, दारा सिंह, मुकेश कुमार, जगत कुमार को सचिव, प्रमोद कुमार वाल्मीकि, महेश चंद्र सहित 15 को कार्यकारिणी सदस्य के अलावा सतीश प्रेमी को संस्थापक, योगेशकुमार को डॉ. आंबेडकर युवक संघ का अध्यक्ष, जसवंत सिंह को डॉ. आंबेडकर मेमोरियल केटी का अध्यक्ष, आदि लोग मौजूद रहे।

संक्षिप्त समाचार

उद्देश्य के लिए दौड़: वैसाखी मैराथन में फिटनेस और नशे के खिलाफ जागरूकता के लिए दिल्ली हुई एकजुट

» सब का सपना संवाददाता

नई दिल्ली ! विश्व पंजाबी संगठन और सन फाउंडेशन ने डॉ. विक्रमजीत सिंह साहनी, सांसद, राज्यसभा के संरक्षण में, नई दिल्ली के कनॉट प्लेस में ह्यवैसाखी सुपरसिख 5ङ मैराथनह्ल के तीसरे संस्करण का सफलतापूर्वक आयोजन किया। इस कार्यक्रम में सभी आयु समूहों के 3000 से अधिक नागरिकों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया, जिन्होंने ह्लनशे को न कहें और फिट इंडियाह्व थीम के साथ वैसाखी के जीवंत त्योहार को मनाया। डॉ. साहनी ने कहा कि फिट इंडिया के संदेश को अपनाने में नागरिकों का इतना जबरदस्त उत्साह देखना बहुत आनंदवर्धक है। वैसाखी के पवित्र अवसर पर, हम अपने समाज की शारीरिक और मानसिक भलाई के लिए खुद को प्रतिबद्ध करते हैं, जो एकता और शक्ति की भावना को प्रतिध्वनित करता है । यह त्योहार उसी का प्रतीक है।

डॉ. साहनी ने इस बात पर जोर दिया कि यह मैराथन केवल एक दौड़ नहीं है, बल्कि यह हमारे युवाओं और समाज को नशे से दूर रहने के लिए जागरूक करने का एक जनांदोलन है। आज के समय में, जब नशीले पदार्थों का सेवन युवाओं के लिए जानलेवा साबित हो रहा है । ऐसे हमें सक्रिय रूप से कार्य करना चाहिए। बच्चों को इस बाबाद सजग व शिक्षित करना और समाज को शारीरिक रूप से सशक्त बनाना नशा मुक्त भारत बनाने का सबसे प्रभावी तरीका है। प्रतिभागियों के असाधारण प्रयासों को मान्यता देने के लिए, विभिन्न श्रेणियों के तहत कई प्रतिभागियों को पुरस्कार दिए गए। पुरुष वर्ग के लिए प्रथम पुरस्कार चंद्रपाल चौधरी को दिया गया और महिला वर्ग में भारती ने प्रथम पुरस्कार प्राप्त किया। डॉ. साहनी ने विजेताओं को व्यक्तिगत रूप से सम्मानित किया और फिटनेस और नशे के खिलाफ सामाजिक जागरूकता के प्रति उनके समर्पण की सराहना की। प्रत्येक बीतते वर्ष के साथ, वैसाखी सुपरसिख मैराथन सामुदायिक भावना, स्वास्थ्य और बेहतर कल के लिए एक सार्थक पहल के प्रतीक के रूप में विकसित हो रही है।

हाई वोल्टेज ड्रामा हाईटेंशन टावर पर चढ़कर दी जान देने की धमकी

» सब का सपना संवाददाता

हापुड़: उत्तर प्रदेश के जनपद हापुड़ जिले के बाबूगढ़ थाना क्षेत्र के एक वायरल वीडियो ने उस वक्त अफरा-तफरी मचा दी। जब एक युवक प्रेमिका से नाराज होकर नेशनल हाईवे-9 स्थित बछलोता के पास हाईटेंशन लाइन के टावर पर चढ़ गया। प्रेम संबंधों में आई दरार ने युवक को इस हद तक मजबूर कर दिया कि उसने अपनी जान जोखिम में डाल दी। वहीं राहगीरों ने जब युवक को टावर पर चढ़ा देखा, तो पहले तो किसी ने उसे कबूतरबाज समझा, तो किसी ने कोई और वजह बताई। देखते ही देखते मौके पर भारी भीड़ इकट्ठा हो गई। युवक लगातार टावर से कूदने की धमकी देता रहा, जिससे वहां मौजूद लोगों की सांसें थम गईं। लोगों ने उसे काफी समझाने का प्रयास किया लेकिन प्रेमी अपनी जिद पर अड़ा रहा। मौके पर मौजूद युवकों और राहगीरों की सूझबूझ से आखिरकार उसे किसी तरह समझा कर नीचे उतारा गया। इस पूरे घटनाक्रम का किसी राहगीर ने वीडियो बना लिया, जो अब सोशल मीडिया पर वायरल हो रहा है।

कलेक्ट्रेट सभागार में विकास कार्य एवं कानून व्यवस्था संबंधी समीक्षा बैठक की

» सब का सपना संवाददाता

बुलन्दशहर: राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार) वन, पर्यावरण, जन्तु उद्यान एव जलवायु परिवर्तन विभाग उत्तर प्रदेश एव जनपद प्रभारी मंत्री डा0 अरुण कुमार द्वारा कलेक्ट्रेट सभागार में विकास कार्य एवं कानून व्यवस्था संबंधी समीक्षा बैठक की। बैठक में केंद्र एवं प्रदेश सरकार द्वारा संचालित जनकल्याणकारी योजनाओं का लाभ पंक्ति के अंतिम व्यक्ति तक पहुंचे उसकी विस्तृत रूप से समीक्षा की। उन्होंने कहा कि सभी अधिकारियों का यह दायित्व है कि वह जन कल्याणकारी योजनाओं के प्रति लोगों को अधिक से अधिक जागरूक करें, लोगों से निरंतर संवाद कायम करते हुए उन्हें कल्याणकारी योजनाओं से लाभान्वित करें। जनप्रतिनिधिगणों से भी संवाद कर उनके द्वारा जो भी तथ्य संज्ञान में लाए जाते हैं उनका तत्काल निराकरण कराए। योजनाओं के क्रियान्वयन में यदि अपेक्षा है तो जनप्रतिनिधियों से भी सहयोग ले। योजनाओं की समीक्षा करते हुए, प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि, आत्मनिर्भर कृषक समन्वित विकास, फॉर्मर रजिस्ट्री, एफपीओ, प्रधानमंत्री जन आरोग्य योजना गोल्डन कार्ड की समीक्षा करते हुए पात्र लाभार्थियों को लाभ दिलाए जाने के निर्देश दिए गए। प्रधानमंत्री आवास योजना ग्रामीण, प्रधानमंत्री आवास योजना शहरी के संबंध में बताया गया कि आवेदन ऑनलाइन प्राप्त होने पर उनके सत्यापन की कार्यवाही करते हुए पात्र लाभार्थियों का चयन कर उन्हे लाभ दिलाया जाता है। राष्ट्रीय ग्रामीण आजीविका मिशन, स्वच्छ भारत मिशन, प्रधानमंत्री ग्राम सड़क योजना, कन्या सुमंगला योजना, सामूहिक विवाह योजना, रोजगार मेला, बाल सेवा योजना, पेंशन योजना में दी जा रही दिव्यांग, वृद्धावस्था पेंशन, विधवा पेंशन के बारे में जानकारी लेते हुए निर्देशित किया गया कि पेंशनों की सूची विधायकगण को भी उपलब्ध कराई जाए। ऐसे पात्र व्यक्ति जिन्हें योजना का लाभ नहीं मिल रहा है उन्हें चयनित कर लाभ दिया जाए। जनपद में संचालित गौशाला के सम्बन्ध में जानकारी लेते हुए कहा कि गौशालाओं में निराश्रित गोवंश के भरण पोषण के लिए सभी आवश्यक व्यवस्था सुनिश्चित कराई जाए, खुले में घूमने वाले गौवंश को पकड़कर गौशाला में भिजवाया जाए। पौधारोपण के सम्बन्ध में निर्देश दिए गए कि पौधारोपण के उपरांत पौधे की देखभाल की जाए। बेसिक शिक्षा विभाग, माध्यमिक शिक्षा विभाग, नगर निकाय, विद्युत विभाग, स्वास्थ्य विभाग के कार्यों की समीक्षा करते हुए आवश्यक दिशा निर्देश दिए गए। प्राचार्य मैडिकल कॉलेज को निर्देश दिए गए कि जिला अस्पताल में गर्मी के दृष्टिगत मरीजों के लिए वाटर कूलर लगवाकर पेयजल, व्यवस्था सुनिश्चित कराई जाए। जल जीवन मिशन के अंतर्गत गांव में पेयजल आपूर्ति के लिए बिछाई गई लाइन के उपरांत सड़क की मरम्मत नहीं कराए जाने पर जल निगम के अधिकारी को निर्देश दिए गए कि तत्काल सड़कों को ठीक कराया जाए। जिन ग्राम में कार्य पूर्ण हो गया है उनकी सूची जनप्रतिनिधियों को उपलब्ध कराए। बैठक में सिंचाई विभाग से कोई भी अधिकारी उपस्थित नहीं होने पर मंत्री द्वारा कड़ी नाराजगी जाहिर करते हुए स्पष्टीकरण लेने के निर्देश दिए। दिव्यांगजन विभाग के द्वारा मूक बधिर बच्चों को कान की मशीन, आईटीआई के बच्चो को टैबलेट का वितरण भी प्रभारी मंत्री द्वारा किया गया। मंत्री जी ने कहा कि जो भी दायित्व दिए गए हैं उनका निर्वहन करें। केंद्र एवं राज्य सरकार की जन कल्याणकारी योजनाओं का लाभ पात्रों को दिलाएं। निर्माण कार्यों की में गुणवत्ता से कार्य किए जा रहे हैं इसका समय समय पर जांच समिति से सत्यापन कराया जाए। बैठक में जिलाधिकारी श्रुति, एसएसपी श्लोक कुमार, विधायक सिकंदराबाद लक्ष्मी राज सिंह, विधायक शिकारपुर अनिल शर्मा, विधायक स्याना देवेन्द्र सिंह लोधी, सीडीओ कुलदीप मीना सहित अधिकारी उपस्थित रहे।

टोल प्लाजा पर महिला और टोलकर्मी के बीच हाथापाई

» सब का सपना संवाददाता

हापुड़: दिल्ली-लखनऊ राष्ट्रीय राजमार्ग पर स्थित छिजारसी टोल प्लाजा पर टोलकर्मियों द्वारा बदसलूकी को लेकर आये दिन होने वाले विवादों को लेकर सुर्खियों में बना रहता है। वही रविवार को एक महिला और टोलकर्मी के बीच जमकर हंगामा हो गया। मामला फास्टैग में तकनीकी गड़बड़ी को लेकर शुरू हुआ, जो देखते ही देखते विवाद और फिर हाथापाई तक पहुंच गया। जानकारी के अनुसार, एक महिला कार का फास्टैग स्कैन न होने के चलते टोलकर्मी ने उसे रोका और शुल्क की मांग की। इसी बीच दोनों के बीच कहासुनी हो गई। गुस्साई महिला टोल बूथ के अंदर घुस गई और टोलकर्मी से मारपीट शुरू कर दी। यह पूरी घटना उऊश्र कैमरे में कैद हो गई है। वही टोल प्लाजा के अधिकारियों ने महिला पर हमला करने का आरोप लगाया है और मामले की शिकायत पुलिस को दी गई है। वहीं महिला की ओर से अभी तक कोई बयान सामने नहीं आया है। कोतवाली प्रभारी निरिक्षक पटनीश कुमार का है मामले में अभीतक को शिकायती पत्र प्राप्त नही हुआ है। मिलने पर मामले की जांच के बाद जो भी दोषी पाया जायेगा। उसके खिलाफ कार्रवाई की जायेगी।

विधायक ने अंबेडकर पार्क में स्वच्छता अभियान चलाकर पार्क में साफ सफाई कर चलाया अभियान

» सब का सपना संवाददाता

बुलन्दशहर: सिकंदराबाद विधानसभा में विधायक लक्ष्मीराज सिंह के नेतृत्व में कार्यकर्ताओं ने सिकंदराबाद नगर के अंबेडकर पार्क में स्वच्छता अभियान चलाकर पार्क में साफ सफाई कर सभी से अपने आस पास साफ सफाई बनाए रखने की अपील भी की।और कहा कि संपूर्ण भारत वर्ष में भारत रत्न बाबा साहेब डॉ. भीमराव आंबेडकर की जयंती पर स्वच्छता व सामाजिक न्याय सेवा सप्ताह कार्यक्रम मनाया जा रहा है और कहा पंच तीर्थों का निर्माण कराकर मोदी सरकार ने अनुसूचित जाति समाज का मान सम्मान बढ़ाया है। इस अवसर पर चेयरमैन सिकंदराबाद डॉ प्रदीप दीक्षित, मंडल अध्यक्ष त्रिवेश गुप्ता,नवीन राजपूत,सजल गर्ग,नरेंद्र सैनी,बिजेंदर सिंह,अरुण प्रजापति,मोहन सैनी रवि लोधी,संजय राही,अमर सिंह सैनी,अनूप भाटी, मालती सैनी समेत अन्य वरिष्ठ जन एवं कार्यकर्ता मौजूद रहें।

वाहन चोर गिरोह का पदार्फाश, 10 बाइक बरामद

» सब का सपना संवाददाता

हापुड़: बाबूगढ़ पुलिस को एक बड़ी कामयाबी हाथ लगी है। पुलिस ने अंतर्जनपदीय वाहन चोर गिरोह का भंडाफोड़ करते हुए गिरोह के दो शातिर सदस्यों को गिरफ्तार किया है। पुलिस को इनके पास से चोरी की 10 मोटरसाइकिलें और एक फर्जी नंबर प्लेट भी बरामद हुई है।

आपको बता दे कि थाना बाबूगढ़ क्षेत्र में सक्रिय यह गिरोह एनसीआर क्षेत्र सहित आस–पास जिलों से दोपहिया वाहनों की चोरी कर उन्हें अलग-अलग तरीकों से बेचने का काम करता था। पुलिस जांच में सामने आया कि गिरफ्तार आरोपी वाहन के पार्ट्स निकालकर चलते-फिरते जरूरतमंद लोगों को बेचकर मोटी कमाई करते थे। उक्त पार्ट्सों की पहचान छुपाने के लिए उन्हे जला भी दिया जाता था। पुलिस ने बताया कि यह दोनों आरोपी शातिर किस्म के अपराधी हैं। जिनके खिलाफ हापुड़,गाजियाबाद और मेरठ जैसे जनपदों में वाहन चोरी और आर्म्स एक्ट समेत अन्य धाराओं में एक दर्जन से अधिक मुकदमे दर्ज हैं। दोनों आरोपी लंबे समय से फरार चल रहे थे और पुलिस को इनकी तलाश कर रही थी। वही बाबूगढ़ थाना प्रभारी और पुलिस टीम की सक्रियता से क्षेत्र में गिरोह की चोरी की वारदातों पर लगाम लगी है और पुलिस अब इनके अन्य साथियों की तलाश में जुट गई है। चोरी की गई मोटरसाइकिलों की पहचान प्रक्रिया भी शुरू कर दी गई है, ताकि वास्तविक मालिकों को वाहन वापस सौंपे जा सकें। एसपी ने पुलिस टीम को इस सफलता पर सराहना करते हुए कहा कि जनपद में अपराधियों के खिलाफ अभियान आगे भी जारी रहेगा।

बाबा साहब की होर्डिंग पर अभद्र टिप्पणी से दलित समाज में उबाल

» सब का सपना संवाददाता

हापुड़: बाबा साहब डॉ. भीमराव अंबेडकर की जयंती से ठीक पहले हापुड़ में एक शर्मनाक घटना सामने आने से पुलिस–प्रशासन में हड़कंप मच गया। गढ़-दिल्ली रोड स्थित अतरपुरा चौपला पर लगी 134 वें जन्मदिन पर लगाई गई बाबा साहब बी. आर अम्बेडकर की होर्डिंग के साथ कुछ युवकों द्वारा की गई अभद्रता का वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो गया है। जिससे दलित समाज के लोगों में गहरा रोष फैल गया है।

आपको बता दे कि घटना 12 अप्रैल की रात करीब 10 बजे की बताई जा रही है। वायरल वीडियो में दो अलग-अलग स्कूटी पर सवार पांच युवक देखे जा सकते हैं। एक काली

■ सपा जिलाध्यक्ष एके कर्दम ने कोतवाली में तहरीर देकर शिकायत दर्ज कराई

स्कूटी पर तीन लोग और एक सफेद स्कूटी पर एक युवक सवार है। वीडियो में यह युवक बाबा साहब की होर्डिंग और मूर्ति की ओर अशोभनीय इशारे करते नजर आ रहे हैं। साथ ही अनुसूचित जाति समाज के खिलाफ आपत्तिजनक टिप्पणी और गाली-गलौज भी की गई। जिसके बाद बसपा जिलाध्यक्ष एके कर्दम ने कोतवाली में तहरीर देकर शिकायत दर्ज कराई। जिस पर पुलिस ने मामला दर्ज कर लिया है। वही पुलिस तत्परता दिखाते हुए पांचों आरोपियों को गिरफ्तार कर उनसे पूछताछ के साथ मामले की जांच कर रही है।

भगवान परशुराम जन्मोत्सव की तैयारी शुरू, विप्र समाज ने बनाई रणनीति

» सब का सपना संवाददाता

हापुड़: परशुराम जन्मोत्सव पर हर वर्ष की तरह इस वर्ष भी अक्षय तृतीया के पावन अवसर पर भगवान परशुराम जन्मोत्सव को भव्य रूप से मनाने की तैयारी शुरू हो गई है। इसी सिलसिले में रविवार को शहर के रेलवे रोड स्थित एक रेस्टोरेंट में विप्र समाज की ओर से बैठक आयोजित की गई, जिसमें उत्सव को भव्य, सुव्यवस्थित और ऐतिहासिक बनाने को लेकर रणनीति तैयार की गई।

बैठक में समाज के वरिष्ठजनों एवं युवाओं ने भाग लिया। आयोजन की सफलता के लिए विस्तृत चर्चा की गई और सुझाव मांगे गए। विशेष रूप से इस वर्ष की शोभायात्रा को लेकर लोगों में विशेष उत्साह देखा गया। यात्रा किन-किन मार्गों से निकाली जाएगी, इसमें कितने झांकियां शामिल होंगी, सांस्कृतिक कार्यक्रम किस स्थान पर आयोजित होंगे–इन तमाम पहलुओं पर विचार किया गया। वही बैठक में तय किया गया कि परशुराम जन्मोत्सव सिर्फ धार्मिक आयोजन न होकर, सामाजिक एकता और सांस्कृतिक समरसता का संदेश भी देगा।समाज के सभी लोगों ने एकमत से कहा कि भगवान परशुराम का जन्मोत्सव गौरव और आत्मगौरव का प्रतीक है, जिसे पूरी श्रद्धा और भव्यता के साथ मनाया जाएगा। इस उद्देश्य से अधिक से अधिक समाजजन को जोड़ने की योजना पर भी चर्चा हुई।

बैठक में नानक चंद शर्मा, डॉ. संजीव वशिष्ठ, सुधीर शर्मा, नरेंद्र शर्मा, सूर्यश वशिष्ठ, विकास शर्मा, संजीव शर्मा, विकास पंडित सहित समाज के कई लोग उपस्थित रहे।

16 अप्रैल को होगी 27 वाहनों की नीलामी

» सब का सपना संवाददाता

बहसूमा। जिलाधिकारी मेरठ एवं उप जिलाधिकारी मवाना के आदेशानुसार थाना बहसूमा परिसर में खड़े 17 एमवी एक्ट वाहन एवं 10 लावारिस वाहन की नीलामी आगामी 16 अप्रैल को कराई जाएगी। थाना प्रभारी इन्दु वर्मा ने बताया कि थाना परिसर में खड़े 17 एमवी एक्ट एवं 10 लावारिस वाहनो की नीलामी आगामी 16 अप्रैल को की जाएगी। जिसमें मेरठ क्षेत्र के समस्त कबड्डी भाग लेना सुनिश्चित करें। वह अपनी फर्म के कागजात एवं आधार कार्ड को साथ लाये।

अम्बेडकर यात्रा का कुंदरकी विधायक ने झंडी दिखाकर किया शुभारंभ

सब का सपना संवाददाता

मैनाठेर। थाना के गांव गुरेर, मिलक स्थित में बाबा साहब की 134 वीं जयंती धूमधाम से मनाई गई। अंबेडकर जयंती के अवसर पर माल्यार्पण करने पहुंचे कुंदरकी विधायक रामवीर सिंह ने बाबा साहब आंबेडकर कि प्रतिमा पर माल्यार्पण कर एवं झंडी दिखाकर यात्रा का शुभारंभ किया।

इस यात्रा मे डीजे, रथ,बगगी के साथ साथ ढोल बेंड बाजो के साथ भारी संख्या में लोगो एवं महिलाओं ने भाग लिया। वही अंबेडकर जयंती पर शोभा यात्रा के दौरान महिलाओं एव बच्चों ने पुष्प वर्षा की।

शोभा यात्रा में मोजूद ग्राम प्रधान अरुण कुमार ने आने बाले सभी समाज के लोगो का सम्मान किया इस यात्रा मे लोगो ने एक दूसरे को अबीर गुलाल लगाकर खुशी का इजहार किया। शोभायात्रा में डीजे की धुन पर भारी संख्या मे लोगो ने डांस किया। वही शोभायात्रा आंबेडकर प्रतिमा से शुरू होकर प्रमुख रास्तो से होते हुए वापस अंबेडकर पार्क जाकर संपन्न हुई। इस अवसर पर थाना प्रभारी किरनपाल सिंह भारी पुलिस बल के साथ तैनात रहा।

पालिका अध्यक्ष मौ0 इरफान सैफी ने अम्बेडकर जयंती पर रैली का आयोजन किया

सब का सपना संवाददाता

मुरादाबाद। ठाकुरद्वारा नगर पालिका अध्यक्ष मौ0 इरफान सैफी ने हमारा संविधान हमारा स्वाभिमान भारत रत्न बाबा साहब डॉ भीमराव अम्बेडकर जयंती के उपलक्ष्य में नगर पालिका परिषद ठाकुरद्वारा की ओर से रैली का आयोजन किया गया। बाबा साहेब डॉ भीमराव अम्बेडकर जयंती के अवसर पर एक रैली का आयोजन हुआ और ठाकुरद्वारा अम्बेडकर पार्क में बाबा की प्रतिमा पर माल्यार्पण कर उनके आदर्शों को प्रोत्साहित किया गया। इस अवसर पर पालिका अध्यक्ष ने सभी से स्वच्छ भारत अभियान का पालन करने व नगर पालिका ठाकुरद्वारा को क्लीन व ग्रीन मिशन को आगे बढ़ने का आह्वान किया।

नूरपुर मे मनाई गई बाबा साहेब की जयंती, प्रतिमा पर किया माल्यार्पण

सब का सपना संवाददाता

सोमवार को बाबा साहेब के नाम से लोकप्रिय,भारतीय विधिवेत्ता, राजनीतिज्ञ, समाजसुधारक एवं संविधान निमार्ता 'भारत रत्न' डॉ. भीमराव अम्बेडकर जी की जन्म-जयंती पर पुण्य स्मरण एवं कोटि-कोटि नमन,समता और न्याय पर आधारित समाज की स्थापना हेतु उनका अद्वितीय संघर्ष आने वाली पीढ़ियों को सदैव प्रेरित करता रहेगा। इस मौके पर भारत रत्न बाबा साहेब डॉ. भीमराव अंबेडकर की 134वीं जयंती धूमधाम से मनाई गई। मुरादाबाद जिले के नूरपुर गांव में डॉ अंबेडकर की प्रतिमा पर कुंदरकी विधायक रामवीर सिंह ने माल्यार्पण किया। इस दौरान पूर्व जिलापंचायत सदस्य शरद चौहान एवं पप्पू ने कुंदरकी विधायक का स्वागत किया। जहां लोगों ने जमकर जय भीम के नारे लगाए और जय भीम पुकारा सुरक्षा को लेकर हर चौक-चौराहों पर भारी संख्या में पुलिस बल तैनात रहा।

बड़े ही धूमधाम से निकाली गई बाबा साहब भीमराव अंबेडकर की शोभायात्रा

सब का सपना संवाददाता

मुरादाबाद। ग्राम मिलक पीपलसाना में डॉ भीमराव अंबेडकर सेवा वेलफेयर सोसाइटी की तरफ से बड़ी धूमधाम से शोभायात्रा निकाली गई। ग्राम पंचायत पीपलसाना से नगर पंचायत भोजपुर तक शोभायात्रा रथ यात्रा पर सवार होकर निकाली गई। जिसमें समिति के अध्यक्ष सुभाष सिंह व प्रतिनिधि ग्राम प्रधान मुजफ्फर अली ,पुलिस प्रशासन की मौजूदगी में शोभायात्रा निकाली गई। बाबा साहब की चित्रपट अर्पित किए इस अवसर पर समिति के सभी सदस्य व ग्रामीण लोग मौजूद रहे।

हर्षोल्लास से मनाई गई अम्बेडकर जंयती, बाबा साहेब के बताए रास्ते पर चलने की जरूरत

सब का सपना संवाददाता

भोजपुर। सोमवार को नगर पंचायत कार्यालय भोजपुर में बाबा साहेब भीमराव अम्बेडकर जयंती के अवसर पर बाबा साहब को फूल अर्पित करते हुए उनको नमन किया। इस अवसर पर चेयरमैन प्रतिनिधि अर्सलान अख्तर ने मिशन ग्रीन भोजपुर क्लीन भोजपुर का संकल्प पूरा करने व सभी नगर वासियों से सहयोग की अपील की। साथ ही उन्होंने भीमराव अम्बेडकर जी के बताए रास्ते पर चलने की जरूरत बताया। वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक, मुरादाबाद के निर्देशन में थाना परिसर में भी डॉ भीमराव अंबेडकर जी की जयंती के अवसर पर समस्त अधिकारी/कर्मचारियों के साथ डॉ भीमराव अंबेडकर जी के फोटो पर माल्यार्पण कर उन्हें श्रद्धांजलि अर्पित की गई। चेयरमैन प्रतिनिधि अर्सलान अख्तर, फिरासत हुसैन,बब्लू सैनी,मौ0 युनुस,सभासद यासीन सैफी, सभासद गयासुद्दीन, नाजिर हुसैन, इस्तेकार हुसैन,तोकीर कुरैशी, शरीफ अहमद आदि शामिल रहे।

बस्तौर मे धूमधाम से मनाई गई बाबा साहेब भीमराव अंबेडकर की जयंती, निकाली गई शोभा यात्रा

सब का सपना संवाददाता

सोमवार को 14 अप्रैल के मौके पर भारत रत्न बाबा साहेब डॉ भीमराव अंबेडकर की 134 वीं जयंती धूमधाम से मनाई गई। मुरादाबाद जिले के बस्तौर गांव में डॉ अंबेडकर की भव्य शोभा यात्रा निकाली गई। इस दौरान प्रतिमा पर समाजसेवी अनिल कुमार, डॉ इंद्रपाल आदि ने प्रतिमा पर माल्यार्पण किया गया। जहां लोगों ने जमकर जय भीम के नारे लगाए और ह्यजय भीमह्न गाने पर युवा खूब थिरके। वहीं, सुरक्षा को लेकर हर चौक-चौराहों पर भारी संख्या में पुलिस बल तैनात रहा।

संक्षिप्त समाचार

डीआईजी मुनिराज जी को स्मृति चिन्ह पिन फ्लैग लगाया गया

सब का सपना संवाददाता

मुरादाबाद। सोमवार को अग्निशमन सेवा स्मृति दिवस एवं अग्नि सुरक्षा सप्ताह के अवसर पर डीआईजी परिक्षेत्र मुरादाबाद मुनिराज जी आईपीएस को उऋ मुरादाबाद द्वारा स्मृति चिन्ह पिन फ्लैग लगाया गया।

युवती से गलत हरकत करने पर मुकदमा दर्ज

सब का सपना संवाददाता

भोजपुर। थाना क्षेत्र के गांव में कूड़ा डालने जा रही। युवती को रास्ते में अकेला देखकर गांव के ही युवक ने प्रेम का इजहार करते हुए शादी करने की बात कहते हुऐ युवती से अश्लील हरकत कर स्पर्श किया। विरोध करने पर जान से मारने की धमकी देकर भाग गया। युवती के भाई असगर अली पुत्र ने प्रभारी निरीक्षक शरद मलिक को तहरीर देकर इरशाद पुत्र इसहाक निवासी लखनपुर के खिलाफ छेड़छाड़ करने और जान से मारने की धमकी देने के आरोप में पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

मारपीट करने वालों के खिलाफ कार्रवाई की मांग

भोजपुर। पुलिस ने गांव ठिगरी निवासी शाहिद पुत्र सादक की तहरीर पर चार पिता पुत्रों के खिलाफ मारपीट कर घायल कर देने, विरोध करने पर जान से मारने की धमकी देने के आरोप में मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। प्रभारी निरीक्षक शरद मलिक को दी। तहरीर में पीड़ित किसान शाहिद ने कहा है। कि बीती रात को अपने बेटों दानिश और साजिद के साथ रात को ग्यारह बजे बैलगाड़ी से खेत से गेहूं का भूसा लेकर आ रहा था। रास्ते में जाहिद के मकान के पास डीजे बज रहा था। साउंड की आवाज पर बैल बैठ गया। इस पर शाहिद उसके बेटों सद्दाम,आबिद,आसिफ ने लाठी डंडों से पीटकर घायल कर दिया। विरोध करने पर जान से मारने की धमकी देकर चले गए। पुलिस ने घायल किसान का मेडिकल परीक्षण कराकर चारों पिता पुत्रों के खिलाफ केस दर्ज कर जांच पड़ताल शुरू कर दी है।

यूपी वर्किंग जनरलिस्ट के कार्यालय सहायक की बेटी का इंतकाल, यूनियन ने व्यक्त की संवेदनाएं

सब का सपना संवाददाता

मुरादाबाद। यूपी वर्किंग जर्नलिस्ट यूनियन के प्रदेश मुख्यालय में तैनात कार्यालय सहायक सलमान की पंद्रह वर्षीय बेटी जैनब का आज सुबह सोमवार को सुबह इंतकाल हो गया। इंतकाल की खबर सुनते ही। यूनियन से जुड़े पत्रकार साथियों में दुःख की लहर दौड़ गई। यूनियन के प्रदेश अध्यक्ष हसीब सिद्दीकी ने उनके निधन पर शौक व्यक्त करते हुए उनकी मगफिरत के लिए खुदा से दुआ की। उधर यूपी वर्किंग जनरलिस्ट यूनियन के मुरादाबाद मंडल इकाई व जिला इकाई के पदाधिकरियो व सदस्यों ने यूनियन के प्रदेश मुख्यालय में तैनात कार्यालय सहायक सलमान जी की बेटी के आकस्मिक इंतकाल पर अफसोस जाहिर करते हुए। इसे एक अपूर्ण क्षति बताया।

बेटी जैनब की उम्र लगभग 15 साल थी। उनके द्वारा इस वर्ष हाई स्कूल की परीक्षा दी गई। और दो दिन की बीमारी के बाद उनका सोमवार को इलाज के दौरान इंतकाल हो गया। यूनियन के पदाधिकरियो व सदस्यों ने शोक सभा के माध्यम से मरहूमा की मगफिरत के लिए दुआ की गई। शोक संवेदना व्यक्त करने वालों में यूनियन के मंडल अध्यक्ष मुहम्मद जान तुर्की, जिला अध्यक्ष रईस शेख, नेशनल एक्सप्रेस के जिला प्रभारी फहीम अंसार-ी,तमीम अहमद, परवेज खान ,अलीम मिर्जा, सावेज अंसारी, अब्दुल रहीम, नफीस अहमद ,अनिल कुमार ,राजीव सक्सेना ,मुहम्मद फैसल ,अहमद सलमान खान, नासिर पाशा एडवोकेट ,नासिर तुर्की, सलमान, मुहम्मद रुशन तुर्की ,मुहम्मद इमरान मोहम्मद नौशाद आदि ने व्यक्त की।

ज्ञान, समानता और न्याय के प्रतीक थे बाबासाहेब भीमराव अम्बेडकर

सपा,बसपा,कांग्रेस सहित सभी ने मनाई जंयती

सब का सपना संवाददाता

मुरादाबाद। सोमवार को प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष अजय राय पूर्व मंत्री के निदेर्शानुसार संविधान निर्माता डॉ भीमराव अंबेडकर जी की जयंती जिला कांग्रेस कमेटी के गुरहट्टी कार्यालय पर डॉ अंबेडकर जी के चित्र पर माल्यार्पण कर उनके द्वारा दलित उत्थान के लिये किये गये कार्यो को याद करते हुए उन्हें पुष्पांजलि अर्पित की।

कांग्रेस पार्टी के जिलाध्यक्ष विनोद गुम्बर ने उनके जीवन पर प्रकाश डालते हुए बताया कि बाबा साहेब के नाम से लोकप्रिय, भारतीय विधिवेत्ता, राजनीतिज्ञ, समाजसुधारक एवं संविधान निमार्ता 'भारत रत्न' डॉ. भीमराव अम्बेडकर जी की जन्म-जयंती पर पुण्य स्मरण एवं कोटि-कोटि नमन,समता और न्याय पर आधारित समाज की स्थापना हेतु उनका अद्वितीय संघर्ष आने वाली पीढ़ियों को सदैव प्रेरित करता रहेगा।

साथ ही समाजवादी पार्टी के जिला अध्यक्ष व सांसद रुचि वीरा , क्षेत्रीय विधायक हाजी नासिर कुरैशी सहित सपा के तमाम कार्यकर्ता डॉ भीमराव अंबेडकर पार्क मुरादाबाद में एकत्र होकर उनके चित्र पर पुष्प अर्पित किए।

उधर बहुजन समाज पार्टी के तमाम पदाधिकारी ने बाबा साहब के मिशन को आगे बढ़ाने का लक्ष्य रखा साथ ही शोषित, वंचित, पिछड़ों ,दलितों का बाबासाहेब को मसीहा बताया इस दौरान बसपा के रणविजय सिंह सहित सभी सम्मानित कार्यकर्ता मौजूद रहे।

अपना दल (क) ने अंबेडकर जयंती अवसर पर माल्यार्पण कर मनाई जयंती

सब का सपना संवाददाता

मुरादाबाद। अपना दल कमेरावादी संगठन ने गायत्री नगर लाइन पार कार्यालय में डॉ0 भीमराव अंबेडकर की 134 वीं जयंती धूमधाम से मनाई गई।

इस अवसर पर मण्डल अध्यक्ष डॉ0 रामेश्वर दयाल तुरैहा ने डॉ0 भीमराव अंबेडकर के चित्र पर माल्यार्पण व श्रद्धा सुमन अर्पित करते हुये कहा कि बाबा साहेब ने पूरे देश को मानवता, समानता, बंधुत्व का पाठ पढ़ाया।

संविधान दिया आज हमारे देश के नागरिकों खासकर युवाओं को उनके जीवन से प्रेरणा लेकर उनके विचारों को आत्मसात कर उनके आदर्शों पर चलना चाहिए, हमारा देश बाबा साहब का सदा ऋणी रहेगा।

जयंती समारोह में शामिल महिला जिला अध्यक्षा ठाकुर मंजू राठौर, महिला महानगर अध्यक्षा आंचल कश्यप, जिला अध्यक्ष अंकित ठाकुर, राकेश कश्यप, अजय सैनी, राकेश श्रीवास्तव, बी0एल0 गुप्ता आदि मौजूद रहे।

बी आर अम्बेडकर जूनियर हाईस्कूल में बड़ी धूमधाम से मनाई गई जयंती

सब का सपना संवाददाता

सोमवार को भोजपुर धर्मपुर में बड़ी ही धूम-धाम से सभी ने बच्चो, महिलाओं, बुजुर्गों, स्कूल के समस्त स्टाफ व आस-पास के लोगों ने इस शुभ अवसर पर अपने-अपने विचार रखें। साथ ही अम्बेडकर जी के जीवन व संघर्षों की गाथा सुनाई। भारतीय संविधान देकर भारत को बहुत बड़ी शक्ति प्रदान की, इसी के साथ प्रधानाचार्य मा० किशनलाल व प्रबन्धक मा० शिवलाल सिंह ने अपने विचार रखें, इस मौके पर डॉ राजकुमार सिंह, राहुल कुमार, मधु, डॉ अंजली, सोनम, रीना, कुनाल व छात्र-छात्राए ब आस-पास के लोग मौजूद रहे।एक इंसान जिसने खुद को नहीं पूरी एक पीढ़ी को उठने की राह दी उस पर कुछ भी कह देना होता लगता है। मन कागज और कलम की ताकत दुनिया की हर ताकत से बड़ी है, एक रोटी कम खाओ पर बच्चों को जरूर पढ़ाओं।

मुंबई इंडियंस की जीत के साथ टूटा तिलक वर्मा के साथ जुड़ा अनचाहे रिकॉर्ड का सिलसिला

आईपीएल 2025

नई दिल्ली, एजेंसी। दिल्ली कैपिटल्स और मुंबई इंडियंस के बीच इंडियन प्रीमियर लीग 2025 का मुकाबला कुछ दिलचस्प आंकड़ों का गवाह बना। इस मैच में मुंबई इंडियंस को 12 रनों से जीत मिली क्योंकि दिल्ली कैपिटल्स ने 206 रनों के टारगेट का पीछा करते हुए ऑलआउट होकर 193 ही रन बनाए। इसके साथ ही मुंबई इंडियंस का 200 या उससे ज्यादा के स्कोर को डिफेंड करने का रिकॉर्ड बरकरार है। मुंबई इंडियंस ने पहले बैटिंग करते हुए जब भी 200 प्लस का स्कोर बनाया है, उन्हें जीत मिली है। ऐसा करते हुए यह एमआई की 15वीं जीत थी। मुंबई इंडियंस ऐसी टीम है जिसने आईपीएल में विपक्षी टीमों को सबसे ज्यादा 37 बार ऑल आउट किया है। वहीं, दिल्ली कैपिटल्स की यह दिल्ली में 15वीं हार थी। आईपीएल में किसी भी टीम ने किसी एक जगह पर इतने ज्यादा मैच नहीं हारे हैं।

हालांकि एक मामले में मुंबई इंडियंस और दिल्ली कैपिटल्स एक ही पेज पर हैं। दोनों ही टीमों ने अब तक 200 प्लस का टारगेट देते हुए कोई मैच नहीं गंवाया है। इस मुकाबले में डीसी की हार के कई कारण रहे। गेंद बदलना भी इनमें एक प्रमुख कारण रहा। इसके अलावा एक ही ओवर में तीन रन आउट भी टीम के पक्ष में नहीं गए। आईपीएल के इतिहास में ऐसा सिर्फ दूसरी बार हुआ है जब एक ओवर में किसी टीम के तीन बल्लेबाज रन आउट हुए हैं। मुंबई इंडियंस के बल्लेबाज तिलक वर्मा के नाम एक ऐसा दुर्योग था जो इस मैच में टूट गया। अब तक ऐसा एक बार भी नहीं हुआ था जब तिलक वर्मा ने अर्धशतकीय पारी खेली और उनकी टीम मुंबई इंडियंस को जीत मिली। लेकिन इस बार तिलक ने अपनी टीम की 12 रनों की जीत में अहम योगदान देते हुए 33 गेंदों पर 59 रनों की पारी खेली।

आईपीएल 2022 से अब तक तिलक ने विभिन्न टीमों के खिलाफ खेलते हुए सात मैचों में अर्धशतकीय पारी खेली है। इन सातों मैचों में मुंबई इंडियंस को हार मिली है। आखिरकार तिलक के लिए यह मिथक भी टूट गया है।

आईपीएल में मुंबई इंडियंस के लिए तिलक वर्मा के 50 प्लस रन

2022 में राजस्थान रॉयल्स के खिलाफ 61 रन - मैच हार गए
2022 में चेन्नई सुपर किंग्स के खिलाफ नाबाद 51 रन - मैच हार गए
2023 में रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु के खिलाफ नाबाद 84 रन - मैच हार गए
2024 में सनराइजर्स हैदराबाद के खिलाफ 64 रन - मैच हार गए
2024 में राजस्थान रॉयल्स के खिलाफ 65 रन - मैच हार गए
2024 में दिल्ली कैपिटल्स के खिलाफ 64 रन - मैच हार गए
2025 में रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु के खिलाफ 56 रन - मैच हार गए
2025 में दिल्ली कैपिटल्स के खिलाफ 59 रन - मैच जीत गए

आईपीएल 2025 में तिलक से आगे और बेहतर प्रदर्शन की उम्मीद है क्योंकि सीजन के शुरुआती चार मैचों में जहां उनका स्ट्राइक रेट केवल 113 का था, तो वहीं पिछले दो मैचों में उन्होंने 62 गेंदों पर 115 रन बनाए हैं, जिसमें उनका स्ट्राइक रेट 185.5 रहा है।

बस मौके का इंतजार था...

मुंबई के खिलाफ आक्रमक अर्धशतक लगाकर बोले करूण नायर

नई दिल्ली, एजेंसी। दिल्ली कैपिटल्स के लिए आक्रामक अर्धशतक लगाकर दो सत्र बाद आईपीएल में वापसी करने वाले करूण नायर मानसिक रूप से अपना पहला मैच खेलने के लिये पूरी तरह से तैयार थे और उन्हें पता था कि कैसे खेलना है । जीत के लिये 206 रन के लक्ष्य का पीछा करते हुए करूण के 40 गेंद में 89 रन की मदद से दिल्ली ने शानदार शुरूआत की लेकिन बीच के ओवरों में लगातार विकेट गंवाकर 12 रन से मैच गंवा दिया। एक ओवर में जसप्रीत बुमराह को दो छक्के लगाने का माद्दा बहुत बल्लेबाजों ने नहीं होता लेकिन करूण ने यह कर दिखाया। उनके इस प्रदर्शन का कारण घरेलू क्रिकेट का शानदार प्रदर्शन भी है जिसमें उन्होंने विदर्भ के लिए विभिन्न प्रारूपों में पिछले सत्र में 1870 रन बनाए। टेस्ट मैच में तिहरा शतक जड़ चुके करूण ने मैच के बाद मीडिया से कहा, 'ईमानदारी से कहूं तो मुझे आईपीएल पहले खेल चुका होने के कारण आत्मविश्वास था। मुझे पता था कि कैसे खेलना है। मेरे लिए कुछ नया नहीं था। मेरे दिमाग में तैयारी पूरी थी। बस मौके का इंतजार था। कुछ गेंद खेलकर फिर लय में आने की बात थी। वर्ष 2022 में राजस्थान रॉयल्स का हिस्सा रहे करूण ने पावरप्ले के दौरान पारंपरिक शॉट्स खेलने के बारे में कहा, 'मैं खुद से यही कह रहा था कि खुद को समय दो, आम शॉट खेलो और उसके बाद तेजी से खेल सकते हो। सब कुछ वैसे ही हुआ लेकिन अगर टीम जीत जाती तो अधिक खुशी होती। पिछले चार मैचों में मौका नहीं मिलने के बावजूद उन्हें यकीन था कि उन्हें मौका मिलेगा और इसके लिए वह मानसिक रूप से तैयार थे। उन्होंने कहा, 'फाफ (डु प्लेसी) नहीं खेल रहे थे। हमें पता था कि अगर कोई खिलाड़ी बाहर होता है तो उसकी जगह कौन खेलेगा। मानसिक तौर पर मैं तैयार था। मेरा आत्मविश्वास बढा है और मुझे पता है कि मैं खेलने के लिए पूरी तरह से तैयार हूं।

अक्षर पटेल को सीजन की पहली हार के बाद मिली सजा, देना होगा बड़ा हर्जाना

नई दिल्ली। दिल्ली कैपिटल्स ने इस सीजन में पहले चार मैच जीतकर शानदार शुरुआत की थी। रविवार को उनके विजयी अभियान पर ब्रेक लग गया। उन्हें रविवार को मुंबई इंडियंस के हाथों इस सीजन की पहली हार मिली। टीम के कप्तान अक्षर पटेल के लिए इतना दुख शायद काफी नहीं था। इसके बाद बीसीसीआई ने उन्हें सजा भी दी।

अक्षर पटेल पर लगा जुर्माना- अक्षर पटेल दिल्ली के कप्तान हैं। वह रविवार को यह सुनिश्चित नहीं कर सके कि टीम समय पर पारी के ओवर खत्म करके। स्लो-ओवर रेट के कारण ही उन्हें बीसीसीआई की ओर से सजा मिली है। बीसीसीआई ने अपने बयान में लिखा, 'यह आईपीएल की आचार संहिता के अनुच्छेद 2.22 के तहत उनकी (पटेल की) टीम का इस सीजन का पहला अपराध था, जो न्यूनतम ओवर-रेट अपराधों से संबंधित है, इसलिए पटेल पर 12 लाख रुपये का जुर्माना लगाया गया।

पहली हार से दुखी अक्षर पटेल

अक्षर पटेल मैच में हार के बाद काफी निराश हो गए। उन्होंने कहा, 'मैच हमारे हाथ में था। मध्यक्रम में कुछ खिलाड़ी खराब शॉट खेलकर आउट हो गए। आप हर बार निचले क्रम के बल्लेबाजों पर भरोसा नहीं कर सकते। ज़्यादा सोचने की ज़रूरत नहीं है, बस एक दिन ऐसा था। आधे समय में ही हम खुश थे। शुरुआत में गेंद रुक रही थी लेकिन फिर यह बेहतर हो गई। और फिर ओस ने हमारी मदद की। हमारे तीन स्पिनरों में से दो पावरप्ले और डेथ में भी गेंदबाजी कर सकते हैं। कुलदीप अविश्वसनीय रूप से अच्छी गेंदबाजी कर रहे हैं। बल्लेबाजी के दृष्टिकोण से इस खेल को भूल जाना चाहिए।'

सनराइजर्स हैदराबाद के होटल में लगी आग

आईपीएल 2025 के बीच बड़ा हादसा!

नई दिल्ली, एजेंसी। सनराइजर्स हैदराबाद का आईपीएल 2025 में अभी तक निराशाजनक प्रदर्शन देखने को मिला है. टीम का अगला मुकाबला मुंबई इंडियंस से 17 अप्रैल को है. इस बीच एक हैरान करने वाली खबर आयी है. एक रिपोर्ट के मुताबिक हैदराबाद के टीम होटल में

सोमवार सुबह आग गई. हालांकि अहम बात यह है कि सभी खिलाड़ी सुरक्षित हैं. सनराइजर्स हैदराबाद के खिलाड़ी हैदराबाद के बंजारा हिल्स में रुके हुए हैं. एनडीटीवी की एक खबर के मुताब यहां के पार्क हयात होटल के एक फ्लोर पर आग लग गई. हालांकि मौके पर फायरब्रिगेड की गाड़ी पहुंच गई. इसके बाद आग पर काबू पा लिया गया. आग की वजह से होटल और उसके आसपास के एरिया में धुआँ फैल गया. अच्छी बात यह रही सभी खिलाड़ी सुरक्षित हैं.

खिलाड़ियों को दूसरे होटल में किया गया शिफ्ट

एक रिपोर्ट के मुताबिक आग लगने के बाद सनराइजर्स हैदराबाद के खिलाड़ियों को दूसरे होटल में शिफ्ट कर दिया गया. आग लगने के बाद होटल के अंदर मौजूद लोग बाहर की तरफ दौड़कर आ गए थे. अहम बात यह रही कि फायरब्रिगेड के पहुंचने के बाद मामले को संभाल लिया गया.

मोटरसाइकिल है या विक्की?

भारत का एक्टिवा स्कूटर भी इसके सामने लगे मर्सेडीज

नई दिल्ली, एजेंसी। पाकिस्तान सुपर लीग अपने अनोखे तोहफों को लेकर चर्चा में है. क्वेटा में कराची किंग्स के लिए खेलने वाले जेम्स विंस को हाल ही में हेयर ड्रायर तोहफे में मिला था. मुल्तान सुल्तान के खिलाफ मैच में जेम्स ने 43 गेंदों में 101 रनों की तूफानी पारी खेली थी. अब एक नई तस्वीर सोशल मीडिया पर वायरल हो रही है, जिसमें देखा जा सकता है कि मैदान में एक मोटरसाइकिल खड़ी है. इस मोटरसाइकिल को देख लोग अलग-अलग तरह के सवाल खड़ी करने लगे हैं.

पीएसएल फैंस के लिए नई स्कीम- यह तस्वीर उसी मैदान की है, जिसमें कराची किंग्स बनाम मुल्तान सुल्तान मैच खेला गया था. दरअसल मैदान में खड़ी मोटरसाइकिल किसी खिलाड़ी के लिए नहीं है बल्कि पाकिस्तान सुपर लीग ने फैंस के लिए एक नई पहल शुरू की है. इस नई स्कीम के तहत एक लकी विजेता को यह मोटरसाइकिल गिफ्ट की जाएगी, जो किसी विक्की से कम नहीं लग रही है. स्कीम के अनुसार मैदान में मैच को लाइव देखने पहुंचे लोगों में से किसी एक लकी विजेता को 70सीसी वाले इंजन की मोटरसाइकिल भेंट की जाएगी. पाकिस्तान के इतने बुरे हाल हैं कि वहां एक 70सीसी की बाइक की कीमत तकरीबन डेढ़ लाख रुपये है, जो भारतीय करेंसी में लगभग 46,000 रुपये के बराबर है. इस मोटरसाइकिल का ना तो डिजाइन अच्छा है और ना ही इसका इंजन बहुत तगड़ा प्रतीत हो रहा है.

मैच के अंत में मोटरसाइकिल भेंट की जाती है

लिथुआनिया के मायकोलास अलेक्ना का चक्का फेंक में विश्व रिकॉर्ड, 75.56 मीटर का रहा थ्रो

रमोना (अमेरिका), एजेंसी। पेरिस ओलंपिक में कांस्य पदक जीतने वाले ऑस्ट्रेलिया के मैट डेनी ने 74.78 मीटर की दूरी तक चक्का फेंक कर कुछ समय के लिए रिकॉर्ड अपने नाम किया, लेकिन 22 वर्षीय अलेक्ना ने जल्द ही फिर से उसे अपने नाम कर दिया। लिथुआनिया के मायकोलास अलेक्ना ने अपना शानदार प्रदर्शन जारी रखते हुए चक्का फेंक में यहां अपने विश्व रिकॉर्ड को दो बार पीछे छोड़ा। उन्होंने ओक्लाहोमा थ्रोज सीरीज वर्ल्ड इनविटेशनल प्रतियोगिता में 247 फीट, नौ इंच (75.56 मीटर) चक्का फेंककर नया विश्व रिकॉर्ड बनाया। इस स्टार खिलाड़ी में इससे पहले अपने शुरुआती प्रयास में 74.89 मीटर चक्का फेंककर अपने पिछले विश्व रिकॉर्ड को तोड़ा था।

पिछले साल इसी प्रतियोगिता में उन्होंने 1986 से चला आ रहा विश्व रिकॉर्ड तोड़ा था। उन्होंने पेरिस ओलंपिक 2024 में रजत पदक जीता था। पेरिस ओलंपिक में कांस्य पदक जीतने वाले ऑस्ट्रेलिया के मैट डेनी ने 74.78 मीटर की दूरी तक चक्का फेंक कर कुछ समय के लिए रिकॉर्ड अपने नाम किया, लेकिन 22 वर्षीय अलेक्ना ने जल्द ही फिर से उसे अपने नाम कर दिया।

तीरंदाजी विश्व कप में धीरज ने व्यक्तिगत कांस्य जीता, पुरुष टीम को रजत पदक

ऑबर्नडेल (अमेरिका), एजेंसी। भारत ने रविवार को तीरंदाजी विश्व कप चरण एक में अपना अभियान चार पदकों के साथ समाप्त किया, जिसमें पुरुष रिकर्व टीम स्पर्धा में एक रजत और व्यक्तिगत रिकर्व वर्ग में धीरज बोम्मदेवरा का कांस्य पदक शामिल है। सेना के 23 वर्षीय तीरंदाज धीरज ने कांस्य पदक के लिए खेले गए मैच में जीत हासिल करने के लिए असाधारण धैर्य और संयम दिखाया। उन्होंने 2-4 से पिछड़ने के बाद वापसी करते हुए स्पेन के एंड्रेस टेमिनो मेडिएल को पांच सेट के तनावपूर्ण मुकाबले में 6-4 से हराया। धीरज इससे पहले सेमीफाइनल में दुनिया के चौथे नंबर के खिलाड़ी और पेरिस ओलंपिक के रजत पदक विजेता जर्मनी के फ्लोरियन उनरुह से 1-7 से हार गए थे। इससे पहले दिन में धीरज अनुभवी तरूणदीप राय और अतनु दास के साथ उस भारतीय तिकड़ी का भी हिस्सा थे, जिसने टीम स्पर्धा के फाइनल में चीन से 1-5 से हारने के बाद रजत पदक जीता था। भारत ने इस तरह से इस प्रतियोगिता में चार पदक जीते। इससे पहले भारतीय कंपाउंड मिश्रित टीम ने स्वर्ण और कंपाउंड पुरुष टीम ने कांस्य पदक जीता था। भारत के अभियान में अभिषेक वर्मा पदक से चूक गए और कंपाउंड पुरुष व्यक्तिगत वर्ग में चौथे स्थान पर रहे।

14 साल के वैभव सूर्यवंशी को आईपीएल डेब्यू कराने की तैयारी में राजस्थान रॉयल्स?

नई दिल्ली, एजेंसी। 13 साल के थे जब राजस्थान रॉयल्स ने 1.10 करोड़ रुपये में वैभव सूर्यवंशी को खरीदकर खुद से जोड़ा था. अब हाल ही में 14वां जन्मदिन मनाने के बाद वो दिन दूर नहीं जब वैभव सूर्यवंशी का आईपीएल डेब्यू होता दिखेगा. वैभव सूर्यवंशी अपने आईपीएल डेब्यू के लिए कमर कसकर तैयार हैं. जोफ्रा आर्चर के खिलाफ किया उनका शक्ति प्रदर्शन उसी का प्रमाण है. हालांकि, आईपीएल में उनका डेब्यू पूरी तरह से राजस्थान रॉयल्स टीम के मैनेजमेंट का फैसला रहने वाला है.

जोफ्रा आर्चर की गेंदों को वैभव सूर्यवंशी ने नहीं बख्शा

अब राजस्थान की मैनेजमेंट टीम की खस्ती हालत के बीच क्या निर्णय लेती है, वो तो वक्त पर पता चल ही जाएगा, लेकिन, उससे पहले जोफ्रा आर्चर की गेंदों को एक के बाद एक ठिकाने लगाते हुए

वैभव सूर्यवंशी को जिसने भी देखा, वो बस उनका कायल होता दिखा. वैभव और जोफ्रा के बीच हुए आमना-सामना का ये वीडियो इंस्टाग्राम पर राजस्थान रॉयल्स ने शेयर किया है.

8 में से 6 गेंदों को लगाया ठिकाने!

वीडियो में आप देख सकते हैं 14 साल के वैभव सूर्यवंशी कितनी दिलेरी से जोफ्रा आर्चर की गेंदों का सामना कर रहे हैं. वो उनकी कुल 8 गेंदें खेलते हैं और उतने में ही आर्चर को लाचार और बेबस सा महसूस करा देते हैं. जोफ्रा आर्चर अपनी सिर्फ 2 गेंदों पर ही वैभव को बीट कर पाते हैं. उसके अलावा बाकी 6 गेंदों को वैभव ठिकाने लगा देते हैं.

6 गेंदों पर ठोके थे 27 रन

ये कोई पहली बार नहीं जब वैभव सूर्यवंशी ने राजस्थान रॉयल्स के नेट्स पर ऐसी धमाकेदार बैटिंग का ट्रेलर दिखाया है. इससे पहले की एक प्रैक्टिस में उन्होंने एक ही ओवर में 27 रन ठोक दिए थे, जिसमें 3 छक्के शामिल रहे थे.

टीम की हालत खराब, क्या वैभव के लिए बनेगी जगह अब?

आईपीएल 2025 में राजस्थान रॉयल्स का हाल ज्यादा अच्छा है नहीं. टीम ने 6 में से सिर्फ 2 मैच ही जीते हैं. मतलब 4 हारे हैं और वो 10 टीमों के दंगल में 8वें नंबर पर हैं. इसके लिए टीम के बैटिंग क्रम पर सवाल उठ रहे

भतीजे इब्राहिम अली खान को सोहा ने दी जरूरी सलाह

इन दिनों सोहा अली खान फिल्म 'छोरी 2' को लेकर चर्चा में हैं। इस फिल्म में नुसरत भरुचा मुख्य भूमिका में हैं। फिल्म में महिलाओं, लड़कियों से जुड़े एक गंभीर मुद्दे के साथ हॉरर एंगल को जोड़ा गया है। इस फिल्म के प्रमोशन के दौरान ही सोहा अली खान ने करियर और निजी जीवन से जुड़े सवालों के जवाब भी दिए। खासकर अपने भतीजे इब्राहिम अली खान के एक्टिंग डेब्यू, सोशल मीडिया पर उसे मिल रही ट्रोलिंग को लेकर काफी कुछ कहा।

इब्राहिम को काम पर फोकस करने की सलाह

फिल्म 'नादानियां' से इब्राहिम अली खान ने एक्टिंग में डेब्यू किया, खराब एक्टिंग के लिए इस यंग एक्टर को सोशल मीडिया पर काफी ट्रोल किया गया। इस ट्रोलिंग पर सोहा अली खान ने नयनदीप रक्षित के यूट्यूब चैनल पर कहा, 'इब्राहिम को अपने काम पर ध्यान देना चाहिए। ऐसे लोगों से दूर रहना चाहिए जो उसकी हां में हां मिलाते हों।'

सोशल मीडिया कमेंट्स ना पढ़ने को कहा वह आगे कहती हैं, 'अगर कोई भी फिल्म इंडस्ट्री का हिस्सा बन रहा है तो उन्हें इस तरह की बातों के लिए तैयार रहना चाहिए। लोगों की राय को हजम करने की क्षमता होनी चाहिए। हां, सोशल मीडिया पर जो कमेंट्स मिलते हैं, उनको पढ़ने से जरूर बचना चाहिए। लेकिन कई बार मुझे लगता है कि ये कमेंट्स भी इंपॉर्टेंट साबित होते हैं। इनके जरिए आपको अपने काम में सुधार करना चाहिए, अपने क्राफ्ट पर काम करना चाहिए और आगे बढ़ना चाहिए।'

क्या है छोरी में सोहा का रोल

आज यानी 11 अप्रैल को ही ओटीटी पर फिल्म 'छोरी' रिलीज हुई है। इसमें सोहा अली खान ने दासी मां नाम का नेगेटिव शेड कैरेक्टर निभाया है, यह फिल्म की विलेन भी कही जा सकती है। इस फिल्म में सोहा दर्शकों को बहुत हद तक डराने में कामयाब रही हैं।

ड्रीम गर्ल 2 से छुट्टी होने पर छलका नुसरत का दर्द

साल 2019 में आई फिल्म ड्रीम गर्ल में आयुष्मान खुराना के साथ नुसरत भरूचा नजर आईं। हालांकि, वर्ष 2023 में जब इसका सीक्वल ड्रीम गर्ल 2 आया तो नुसरत को फिल्म से बाहर का रास्ता दिखा दिया गया। उनकी जगह अनन्या पांडे सीक्वल का हिस्सा बनीं। इस पर नुसरत भरूचा का दर्द छलका है। नुसरत का कहना है कि यह सही नहीं था, उनके अलावा फिल्म की पूरी स्टारकास्ट सीक्वल में नजर आई।

नुसरत भरूचा ने कहा, मैं उन लोगों के साथ काम करूंगी, जो मेरे साथ काम करना चाहते हैं, जो सेट पर मेरी मौजूदगी को महत्व देते हैं। दीवार में सिर मार के क्या होगा? फिल्म ड्रीम गर्ल में नुसरत का अभिनय दर्शकों को काफी पसंद आया। मगर, सीक्वल में माही राजपूत के उनके किरदार को अनन्या पांडे ने रिप्लेस कर दिया। फिल्म की रिलीज के करीब दो साल बाद अभिनेत्री ने खुलासा किया कि उन्हें रिप्लेस किए जाने पर दुख हुआ। सीक्वल का हिस्सा नहीं बनाए जाने पर वे आहत हुईं। खासकर यह पता चलने के बाद कि उन्हें छोड़कर पूरी कास्ट को दूसरे पार्ट में शामिल किया गया।

नुसरत ने नयनदीप रक्षित के टॉक शो में यह खुलासा किया।

उन्होंने कहा, मुझे तब और भी दुख हुआ जब मैं अपनी ही फिल्म की अगली कड़ी का हिस्सा नहीं बनी। खासकर यह जानकर की फिल्म का हर कलाकार सीक्वल का भी हिस्सा था, सिवाय लीड एक्ट्रेस के। मुझे लगा कि यह अच्छा नहीं था। नुसरत ने आगे कहा कि जब उन्हें पता था कि कुछ भी नहीं बदलेगा तो वह किसी चीज के लिए लड़ नहीं सकती थीं। अभिनेत्री ने कहा, मैं किस बात के लिए लडूं? मैं क्या कहूंगी? मैं क्यों नहीं हिस्सा बनी? ठीक है, वे कहेंगे, हम तुम्हें नहीं लेना चाहेंगे। यही सच्चाई है। और यहीं पर बात खत्म हो जाती है।

आखिरकार, यह किसी शख्स का चुनाव है। मैं उस पर सवाल नहीं उठा सकती। नुसरत ने कहा, मैं जो लड़ाई लड़ सकती हूं, वह है खुद पर हार न मानना। मैं उन लोगों के साथ काम करूंगी जो मेरे साथ काम करना चाहते हैं। जो मानते हैं कि मैं उनके किरदार में जान डालूंगी और उनकी कहानियों और लेखन के साथ न्याय करूंगी। दीवार में सिर मारकर क्या होगा? सिर ही टूटेगा अपना।

कृष 4 के लिए प्रियंका चोपड़ा ने करोड़ों में ली फीस! देश की सबसे ज्यादा कमाई करने वाली एक्ट्रेसेस में शुमार

ग्लोबल आइकन प्रियंका चोपड़ा हॉलीवुड में अपना परचम लहरा रही थीं। अब वो फिर से इंडियन सिनेमा में वापसी करने जा रही हैं। उनके पास दो बड़े प्रोजेक्ट्स हैं। महेश बाबू के साथ एसएस राजामौली की SSMB29 और ऋतिक रोशन के साथ कृष 4, जिसके बारे में रिपोर्ट्स में दावा किया जा रहा है। इस तरह से वो देश की सबसे ज्यादा कमाई करने वाली एक्ट्रेसेस में से एक बनने जा रही हैं। रिपोर्ट के अनुसार, प्रियंका को SSMB29 में उनकी भूमिका के लिए कथित तौर पर 30 करोड़ रुपये का भुगतान किया जा रहा है। कृष 4 के लिए भी उनकी सैलरी 20-30 करोड़ रुपये के बीच रहने की उम्मीद है। हालांकि, ऐसी भी अटकलें हैं कि प्रियंका सैलरी अमाउंट की जगह प्रॉफिट वाला विकल्प चुन सकती हैं। ज्यादातर बड़े प्रोजेक्ट्स में स्टार्स इस रणनीति को अपनाते हैं। बताया जा रहा है कि प्रियंका को कृष 4 फिल्म का विजन पसंद आया है और शुरुआती चर्चा के तुरंत बाद उन्होंने फिल्म पर हस्ताक्षर कर दिए। हालांकि, ऑफिशियल ऐलान होना अभी बाकी है।

फिटनेस शारीरिक ही नहीं मानसिक भी होता है

अभिनेत्री श्वेता त्रिपाठी फिटनेस को काफी महत्वपूर्ण मानती हैं। इसके लिए वह सख्ती के साथ नो-शुगर डाइट को भी फॉलो करती हैं। अभिनेत्री का मानना है कि फिटनेस सिर्फ शरीर से जुड़ा नहीं होता, बल्कि यह एक सोच या विचार भी है। यह मन से जुड़ा होता है। अपनी फिटनेस के बारे में श्वेता ने बताया, मेरे लिए फिटनेस का मतलब सिर्फ शरीर से संबंधित नहीं है। यह एक मानसिकता है। अभिनेत्री ने बताया कि वह अपने पति चैतन्य शर्मा उर्फ स्लो चीता और ट्रेनर त्रिदेव को फिटनेस के लिए लगातार प्रोत्साहित करने का श्रेय देती हैं। उन्होंने कहा, मैं लकी हूं कि मेरे पास पति और मेरे ट्रेनर जैसे कई लोग हैं, जो मुझे प्रोत्साहित करते रहते हैं। मैं नो शुगर डाइट को फॉलो करती हूं और इस छोटे से प्रयास ने मेरी काफी मदद की है। यह न केवल मुझे सकारात्मक रखने में मदद भी करता है।

उन्होंने बताया, मेरे ट्रेनर और फिटनेस साथी त्रिदेव ने मुझे अनुशासन के साथ एक एथलीट की तरह ट्रेनिंग के लिए प्रेरित किया। मेरा फिटनेस शेड्यूल ताकत और चुस्ती को बढ़ाने पर केंद्रित है। 'मिर्जापुर' सीरीज, 'मसान', 'रात अकेली है' और 'कार्गो' जैसी फिल्मों में काम कर चुकी अभिनेत्री ने मार्च में अपनी पहली होम-प्रोडक्शन फिल्म की घोषणा की थी, जो महिलाओं पर आधारित होगी। श्वेता पिछली बार विपुल मेहता के निर्देशन में बनी फिल्म 'कंजूस मक्खीचूस' में नजर आई थीं। साल 2023 में रिलीज यह फिल्म प्रसिद्ध गुजराती ड्रामा 'सजन रे झूठ मत बोलो' पर आधारित है। फिल्म में श्वेता के साथ कुणाल खेमू, पीयूष मिश्रा, अलका अमीन, राजीव गुप्ता हैं। यह राजू श्रीवास्तव की अंतिम फिल्म थी। ओटीटी स्पेस में उनके काम की बात करें तो वह क्राइम-ड्रामा कालकूट में दिखी थीं। सुमित सक्सेना के निर्देशन में बनी सीरीज साल 2023 में आई थी। जियो सिनेमा पर रिलीज सीरीज में श्वेता त्रिपाठी के साथ विजय वर्मा, सीमा बिस्वास, यशपाल शर्मा, गोपाल दत्त और सुजाना मुखर्जी अहम भूमिकाओं में हैं।

तेजस्वी के बारे में बोले करण-एक्सपेरिमेंट मेरे ऊपर करती है

टीवी एक्टर करण कुंद्रा की पहली मुलाकात तेजस्वी प्रकाश से रियालिटी शो 'बिग बॉस 15' में हुई। इस शो में दोनों ने हिस्सा लिया था, शो पर ही वे एक-दूसरे के करीब आए। शो से बाहर आने के बाद अपने रिलेशनशिप को सबके सामने कबूल भी किया। जल्द ही करण और तेजस्वी शादी भी करेंगे। हाल ही में करण कुंद्रा ने एक अच्छे पार्टनर का रोल तेजस्वी के लिए निभाया, वह एक रियालिटी शो में तेजस्वी को सपोर्ट करने के लिए पहुंचे। जानिए, इस मौके पर तेजस्वी के बारे में करण ने क्या कहा? एक्ट्रेस की कौन सी क्वालिटी करण को अच्छी लगती है।

बोले ये एक्सपेरिमेंट तो मुझ पर करती है

कुकिंग रियालिटी शो 'सेलिब्रिटी मास्टरशेफ' में तेजस्वी प्रकाश बतौर प्रतियोगी शामिल होंगी। इसी शो के फिनाले एपिसोड में करण कुंद्रा, तेजस्वी को सपोर्ट करने के लिए पहुचे थे। करण ने इस शो के मंच पर कहा, 'मेरी मां के बाद कोई है, जो मुझे संभाल पाता है, वो तेजस्वी है।' शो में तेजस्वी की ग्रोथ पर करण कहते हैं, 'सभी रेसिपी को लेकर तेजू एक्सपेरिमेंट मुझ पर ही करती है।'

तेजस्वी से इंप्रेस नजर आए करण

करण आगे कहते हैं, 'तेजस्वी बहुत मेहनती है। जब से शो का हिस्सा बनी है, तब से महज चार घंटे सोई है।' करण तेजस्वी की कुकिंग स्किल्स से काफी इंप्रेस हैं। साथ ही वह यह भी बताते हैं कि शो 'सेलिब्रिटी मास्टरशेफ' में आने से पहले तेजस्वी को कुकिंग बहुत अच्छे से नहीं आती थी।

करण भी इस शो में आए नजर

करण कुंद्रा के करियर फ्रंट की बात करें तो वह एक फिल्म 'मिसिंग फेस' कर रहे हैं। इसके अलावा वह शो 'लाफ्टर शेफ' में भी नजर आते हैं। इस शो को कॉमेडियन भारती सिंह होस्ट करती हैं।

38 साल बाद श्रीनगर में होगा पहली फिल्म का रेड कार्पेट प्रीमियर, एक्सेल एंटरटेनमेंट की 'ग्राउंड जीरो' बनाएगी इतिहास

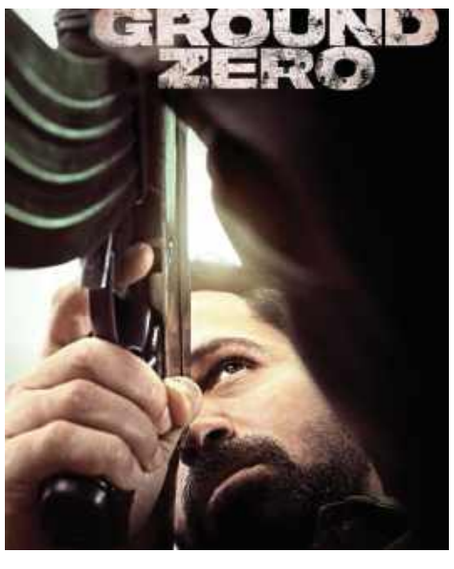

ग्राउंड जीरो 18 अप्रैल को श्रीनगर में होने वाले अपने रेड कार्पेट प्रीमियर के साथ नया इतिहास रचने जा रही है। हैरानी की बात ये है कि पिछले 38 सालों में श्रीनगर में किसी भी फिल्म का प्रीमियर नहीं हुआ, और अब ग्राउंड जीरो इस खामोशी को तोड़ने वाली पहली फिल्म बनेगी।इस खास मौके पर फिल्म सबसे पहले दिखायी जाएगी उन जवानों और आर्मी अफसरों को, जो बॉर्डर पर खड़े होकर हमारी हिफाजत कर रहे हैं। ये कदम न सिर्फ फिल्म के देशभक्ति से जुड़े विषय को बखूबी दर्शाता है, बल्कि असली हीरोज को सच्ची श्रद्धांजलि भी है।

श्रीनगर में 18 अप्रैल को एक्सेल एंटरटेनमेंट की 'ग्राउंड जीरो' का होगा रेड कार्पेट प्रीमियर, 38 सालों बाद पहली फिल्म को मिला ये सम्मान

'ग्राउंड जीरो' की श्रीनगर, कश्मीर में होने जा रही प्रीमियर के जरिए मेकर्स की ये खास कोशिश है कि सबसे पहले ये फिल्म उन जांबाज जवानों और आर्मी अफसरों को दिखाई जाए, जो सरहद पर खड़े होकर हमारी हिफाजत कर रहे हैं!

एक्सेल एंटरटेनमेंट की आने वाली एक्शन थ्रिलर ग्राउंड जीरो को लेकर हर दिन जोश और उत्साह बढ़ता जा रहा है। दमदार ट्रेलर रिलीज के बाद फिल्म के नए-नए पोस्टर्स ने भी लोगों की दिलचस्पी और बढ़ा दी है। इसी बीच अब ये फिल्म इतिहास रचने जा रही है, ग्राउंड जीरो होगी 38 साल बाद श्रीनगर, कश्मीर में रेड कार्पेट प्रीमियर पाने वाली पहली फिल्म। प्रीमियर 18 अप्रैल को होगा, और इसे लेकर फैंस और इंडस्ट्री दोनों में जबरदस्त क्रेज है।

ग्राउंड जीरो 18 अप्रैल को श्रीनगर में होने वाले अपने रेड कार्पेट प्रीमियर के साथ नया इतिहास रचने जा रही है। हैरानी की बात ये है कि पिछले 38 सालों में श्रीनगर में किसी भी फिल्म का प्रीमियर नहीं हुआ, और अब ग्राउंड जीरो इस खामोशी को तोड़ने वाली पहली फिल्म बनेगी।इस खास मौके पर फिल्म सबसे पहले दिखायी जाएगी उन जवानों और आर्मी अफसरों को, जो बॉर्डर पर खड़े होकर हमारी हिफाजत कर रहे हैं। ये कदम न सिर्फ फिल्म के देशभक्ति से जुड़े विषय को बखूबी दर्शाती है, बल्कि असली हीरोज को सच्ची श्रद्धांजलि भी है।

ग्राउंड जीरो को दर्शकों से जबरदस्त प्यार मिल रहा है और इसके रिलीज को लेकर जोश साफ झलक रहा है। बीएसएफ द्वारा समर्थन प्राप्त इस फिल्म का ट्रेलर भी खूब सराहा गया, जिसने दर्शकों की उम्मीदों और उत्साह को और भी बढ़ा दिया है।

इसके अलावा, फिल्म ग्राउंड जीरो की कहानी कश्मीर पर आधारित है और इसकी पूरी शूटिंग भी वहीं हुई है। इमरान हाशमी ने फिल्म में बीएसएफ कमांडेंट नरेंद्र नाथ धर दुबे का किरदार निभाया है, जिन्होंने गाजी बाबा को मार गिराने वाले ऑपरेशन का नेतृत्व किया था। यह मिशन इरऋ के पिछले 50 सालों में सबसे बेहतरीन ऑपरेशन के तौर पर दर्ज है। ग्राउंड जीरो एक सच्ची घटना पर आधारित है, जो भारतीय इतिहास के एक कम सुने गए लेकिन बेहद अहम अध्याय को दर्शकों के सामने लाती है।

गाजी बाबा जैश-ए-मोहम्मद का एक टॉप कमांडर और हरकत-उल-अंसार नाम के आतंकी संगठन का डिप्टी कमांडर था। उसे 13 दिसंबर 2001 को भारतीय संसद पर हुए हमले का मास्टर-माइंड माना जाता है।

एक्सेल एंटरटेनमेंट प्रेजेंट करता है, एक्सेल एंटरटेनमेंट प्रोडक्शन की अगली पेशकश, जिसे रितेश सिधवानी और फरहान अख्तर ने प्रोड्यूस किया है। फिल्म का निर्देशन तेजस देवास्कर ने किया है। इसके को-प्रोड्यूसर हैं कासिम जगमगिया, विशाल रामचंदानी, संदीप सी सिधवानी, अर्हन बगाटी, टैलिसमैन फिल्म्स, अभिषेक कुमार और निशिकांत रॉय। यह फिल्म 25 अप्रैल 2025 को सिनेमाघरों में दस्तक देने जा रही है।

स्वामी मुद्रक व प्रकाशक अनुज कुमार के द्वारा एजीएस पब्लिकेशंस एफ 23, सेक्टर 6, गौतम बुध नगर, उत्तर प्रदेश 201301 से मुद्रित व गांव बुखारीपुर, पोस्ट ढवारसी, तहसील हसनपुर, जनपद अमरोहा, उत्तर प्रदेश पिन कोड 2442 42 से प्रकाशित।
संपादक- अनुज कुमार, R.N.I. No.- UPHIN/25/RAA18, मो0.945688 4327 , E-mail- officialsabkasapna@gmail.com, www.sabkasapna.com नोट- समस्त विवादों का न्यायिक क्षेत्र अमरोहा जनपद न्यायालय होगा।